एजेंसी देना हैं
दैनिक जनसेवा समाचार
की मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सभी जिलों एवं तहसील में एजेंसी देना हैं इच्छुक व्यक्ति शीघ्र संपर्क करे

दैनिक
जनसेवा समाचार
MPHIN/2013/53952
web:www.jansewasamachar.com

आवश्यक्ता हैं
दैनिक जनसेवा समाचार
को मेहनती और शिक्षित युवकों की जो आवश्यकता हैं जो विज्ञापन लाने का कार्य कर सके।

वर्ष-21 | अंक-219 | प्रात :कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, बुधवार 9 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शारजाह में बी-आह मुख्यालय का किया दौरा

जीआईएस-2027 के लिए आमंत्रण

भोपाल (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ने संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित तीन दिवसीय प्रतिष्ठित एआईएम कांग्रेस-2026 के तीसरे दिन 8 सितंबर को शारजाह स्थित बी-आह मुख्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बी-आह फैसेलिटी के ग्रुप सीईओ एवं वाइस-चेयरमैन श्री खालिद अल हुरैमल के साथ एक उच्चस्तरीय द्विपक्षीय बैठक की। बैठक में पर्यावरण संरक्षण, स्मार्ट सिटी विकास, सर्कुलर इकोनॉमी और अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट समाधानों को मध्यप्रदेश में लागू करने को लेकर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी प्रकार के इंडस्ट्रियल वेस्ट, सीवेज वेस्ट, वेस्ट रिप्रोसेसिंग और इनर्ट मटेरियल के डिस्पोजल संबंधी ट्रीटमेंट सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान विशेषज्ञों ने उन्हें बताया कि यहां विश्व की सर्वाधिक उन्नत तकनीकी का उपयोग किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश में वेस्ट-टू-एनर्जी और ग्रीन मोबिलिटी में निवेश की संभावनाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चर्चा के दौरान बी-आह ग्रुप को मध्यप्रदेश के नगर निगमों में म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट तथा वेस्ट-टू-एनर्जी परियोजनाओं में निवेश और टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश स्वच्छ ऊर्जा और सस्टेनेबल अर्बन डेवलपमेंट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। बीईईएएच की डिजिटल, एआई-सक्षम और सर्कुलर इकोनॉमी क्षमताएं मध्यप्रदेश के स्मार्ट सिटी विजन और क्लीन एनर्जी मिशन के बिल्कुल अनुकूल हैं। राज्य में ईवी-आधारित फ्लीट और रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स के विस्तार में यह साझेदारी अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

इंदौर के स्वच्छता मॉडल के साथ वैश्विक तालमेल

ख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए बताया कि इंदौर ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट और बायो-सीएनजी के क्षेत्र में देश और दुनिया के समक्ष एक अनुकरणीय मॉडल स्थापित किया है। उन्होंने बी आह को इंदौर के स्थापित मॉडल के साथ जुड़कर नए आधुनिक समाधानों पर मिलकर काम करने का प्रस्ताव दिया, जिससे कचरा प्रबंधन के साथ-साथ जीरो-वेस्ट लैंडफिल के लक्ष्य को हासिल किया जा सके।

जीआईएस-2027 के लिए दिया आमंत्रण

ख्यमंत्री डॉ. यादव ने बी आह के ग्रुप के सीईओ श्री खालिद अल हुरैमल को अगले साल भोपाल में आयोजित होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

अत्याधुनिक मुख्यालय का किया अवलोकन

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध आर्किटेक्ट ज़ाहा हदीद द्वारा डिज़ाईन किए गए बी-आह के प्रतिष्ठित एआई-सक्षम व नेट-ज़ीरो-रेडी मुख्यालय तथा उनकी विभिन्न उन्नत सुविधाओं की सराहना की। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2007 में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के रूप में स्थापित बी आह आज 46 राष्ट्रीयताओं के 13 हजार से अधिक कर्मचारियों और यूएई, सऊदी अरब व मिस्र में विस्तृत परिचालनों के साथ पर्यावरण, रिन्यूएबल एनर्जी, ग्रीन मोबिलिटी और टेक्नोलॉजी का अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय समूह बन चुका है।

पीएम ने मुंबई में ग्लोबल फिनटेक फेस्ट शुरू किया:कहा

भारत 7.8प्रतिशत की दर से विकास करता है, तो विश्व को एक नया आत्मविश्वास मिलता है

नई दिल्ली(एजेंसी)। पीएम मोदी शाम को करीब 5.45 बजे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जस्स्स्र) 2026 का उद्घाटन करेंगे। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का सातवां एडिशन 8 से 11 सितंबर तक मुंबई में हो रहा है। फेस्ट को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा- आज दुनिया संघर्षों और अनिश्चितताओं के दौर से गुजर रही है। ऊर्जा और वस्तुओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर दबाव है। यह स्थिति कई महीनों से बनी हुई है, और अप्रैल से जून की तिमाही विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण रही है।

यह मेरा लगातार तीसरा साल हैः पीएम

मुझे बेहद खुशी है कि आज यहां एक और हैट्रिक हासिल हुई है। पहली हैट्रिक 2024 में तीसरी बार सरकार बनने पर लगी थी, और यह हैट्रिक आप सबके बीच आने से जुड़ी है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में यह मेरा लगातार तीसरा साल है। यह हैट्रिक दिखाती है कि विकसित भारत के लिए आप कितने महत्वपूर्ण हैं, आपका काम कितना अहम है। जब भी मैं यहां आता हूं, हमें पहले से ज्यादा युवा और ऊर्जा देखने को मिलती है। इसलिए, विकसित भारत के भविष्य में मेरा विश्वास और भी मजबूत हो रहा है। जीएफएफ को 2020 में आकार दिया गया था। इसमें नीति, नियम, तकनीक और उद्योग से जुड़े लोग एक मंच पर साथ आते हैं। केंद्रीय बैंक, वित्तीय संस्थान, टेक कंपनियों समेत कई वैश्विक विशेषज्ञ इकोनॉमी पर चर्चा करते हैं।

तेलंगाना विधानसभा में अधिकारी को हार्ट अटैक आया

मंत्री ने दिया सीपीआर, अस्पताल ले जाते समय मौत हुई

हैदराबाद। हैदराबाद में तेलंगाना विधानसभा के अंदर मंगलवार को एक अधिकारी अचानक बेहोश होकर गिर गए। इसके बाद विधानसभा में अफरा-तफरी मच गई। पशुपालन मंत्री वकिटी श्रीहरि ने तुरंत उन्हें सीपीआर दिया। मेडिकल स्टाफ को बुलाकर अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राजू के रूप में हुई है। वे प्रिंसिपल सेक्रेटरी नवीन मित्तल के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) थे। अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, राजू को गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था। जब उन्हें मेडिकल सेंटर लाया गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। सीपीआर यानी कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन एक ऐसी इमरजेंसी लाइफ सेविंग प्रोसिजर है, जो तब की जाती है, जब हृदय की धड़कन रुक जाती है। सीपीआर किसी व्यक्ति को कार्डियक अरेस्ट से बचने में मदद कर सकता है। भले ही आपको सीपीआर देना न आता हो, आप सिर्फ अपने हाथों का इस्तेमाल करके किसी व्यक्ति की मदद कर सकते हैं। इसके लिए आपको तुरंत एक्शन लेने की जरूरत है।

पीएम मोदी वडोदरा में 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम में शामिल हुए

पीएम मोदी का जेन-जी संवाद

वडोदरा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वडोदरा में जेन-जी से 25 मिनट संवाद किया। इस कार्यक्रम के लिए 6 हजार युवाओं को बुलाया गया था। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की। पीएम ने कहा, लोग आपको झूठ की गूंज से गुमराह करने की कोशिश करेंगे, लेकिन आप सच्चाई के साथ खड़े रहना। मोदी का यह बयान राहुल गांधी और कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान पर तंज माना जा रहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर ङ्ग आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले पीएम रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा।

पहले बजट में एक-दो ट्रेनों की घोषणा होती थीं

पीएम ने कहा, पहले की सरकार में बजट में एक-दो ट्रेनों की घोषणा होती थी। उसके भी सालभर ढोल पीटे जाते थे। अब एक के बाद एक नई ट्रेनें चलाई जा रही हैं। अब नई ट्रेन से वडोदरा, उदयपुर और आलीराजपुर के लोगों को सुविधा होगा। इस साल रेल बजट पौने 3 लाख करोड़ से ज्यादा रहा है। एक बार पोर्ट, एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन बन गया तो फिर रोजगार बढ़ना शुरू हो जाता है।

डेडिकेटेड फ्रेंट कॉरिडोर भारत की जीवन रेखा

पीएम ने कहा, 2014 के बाद आपने जो मुझे शिक्षा-दीक्षा थी, जो सीखकर दिल्ली पहुंचा था, मैंने दिल्ली में इसे गति देना प्रारंभ कर दिया। 2000 किमी के फ्रेट कॉरिडोर के काम पूरा करके दिखाया।

2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर 2004 में विचार शुरू हुआ और 2006 में विशेष कंपनी बनाई गई, लेकिन 2014 तक सिर्फ फाइलें एक टेबल से दूसरी टेबल तक जाती रहीं। 2014 के बाद हमारी सरकार ने इस प्रोजेक्ट को गति दी और करीब 2,000 किमी फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा किया। पहले पैसेंजर और मालगाड़ियां एक ही ट्रैक पर चलती थीं, जिससे दोनों की रफ्तार प्रभावित होती थी। अब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर रोज करीब 430 मालगाड़ियां चल रही हैं।

एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम नीली जर्सी में खेलेगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम एक बार फिर नीली जर्सी में नजर आएगी। नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेले गए हॉकी वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पुरुष और महिला टीमों की प्राइमरी किट नारंगी कर दी गई थी। जर्सी बदले जाने पर काफी विवाद हुआ था। कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों ने इसे गलत बताया था। इसे देखते हुए अब हॉकी इंडिया ने एशियन गेम्स के लिए अपना फैसला बदल दिया है। हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को जर्सी बदलने का कारण बताते हुए कहा था कि ऐसा नीले रंग के टर्फ की वजह से किया गया था। कहा गया कि नीली जर्सी के कारण भारतीय खिलाड़ियों को अपने साथी प्लेयर्स को देखने में दिक्कतें आ रही थीं। हालांकि पूर्व कप्तानों धनराज पिल्ले, वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, अजीत पाल सिंह और वासुदेवन भास्करन ने इस बदलाव की कड़ी आलोचना की थी। इस विवाद पर हॉकी इंडिया के भीतर भी खींचतान देखने को मिली थी। अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने बयान दिया था कि यह फैसला उनकी जानकारी के बिना लिया गया, जबकि सचिव भोला नाथ सिंह का दावा था कि सभी अधिकारियों को इसकी जानकारी थी।

9 महीने में दूसरी भारत यात्रा, 11 सितंबर को पीएम मोदी के साथ मीटिंग

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट के लिए भारत आएंगे

नई दिल्ली(एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे। नई दिल्ली में 12 सितंबर को ब्रिक्स नेताओं की बैठक से पहले 11 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन के बीच द्विपक्षीय मुलाकात होगी। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मोदी और पुतिन की मुलाकात की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि रूस भारत को अपना रणनीतिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के रिश्ते उसके लिए बेहद

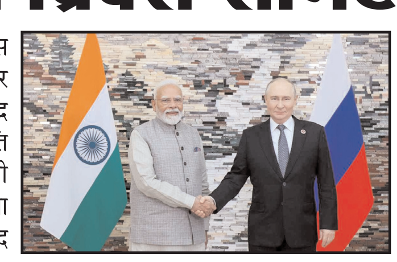

अहम हैं। पेस्कोव के मुताबिक, मोदी और पुतिन की बातचीत में व्यापार, आर्थिक सहयोग, परिवहन और दोनों देशों के बीच कारोबार बढ़ाने जैसे मुद्दे शामिल होंगे। दोनों देश अपनी कंपनियों के लिए नए कारोबारी मौके तलाशने पर भी चर्चा कर सकते हैं। मोदी और पुतिन की बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध भी चर्चा का अहम मुद्दा हो सकता है। दोनों नेता युद्ध की मौजूदा स्थिति और उसके वैश्विक असर पर बातचीत कर सकते हैं। इसके अलावा फारस की खाड़ी में जारी तनाव पर भी चर्चा की संभावना है।

मोदी मानहानि केस में राहुल गांधी की याचिका खारिज

मुंबई(एजेंसी)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने पीएम मोदी से जुड़े मानहानि मामले में राहुल गांधी की याचिका खारिज कर दी। उन्होंने 2019 में जारी मजिस्ट्रेट कोर्ट के समन को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने निचली अदालत में मानहानि की शिकायत पर सुनवाई छह हफ्ते तक टालने का आदेश बढ़ा दिया। इससे राहुल को इस दौरान मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं होना पड़ेगा। उनके वकील ने सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल करने के लिए समय मांगा था। दरअसल, राहुल ने 2018 में राजस्थान की एक सभा में राफेल विमान डील पर पीएम को चौकीदार चोर है कहा था। आरोप है कि उन्होंने 24 सितंबर को ङ्ग पर वीडियो पोस्ट कर मोदी को कमांडर-इन-थीफ यानी चोरों का सरदार कहा था। इस मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 28 अगस्त 2019 को मानहानि की शिकायत पर राहुल के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की बात कही गई थी। राहुल ने इस आदेश को चुनौती दी थी।

रील बनाते समय ओवरब्रिज से 40 फीट नीचे गिरा युवक

ऑटो रिक्शा पर गिरने से बची युवक की जान

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में रील बनाने के चक्कर में एक युवक 40 फीट ऊंचे ओवरब्रिज से नीचे गिर गया। खुशकिस्मती से वह एक ऑटो रिक्शा के शेड पर गिरा था, जिससे उसकी जान बच गई। मामला सोमवार का है, जिसका सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया है। दोस्त के साथ ब्रिज पर रील बना रहा था मूल रूप से बिहार का रहने वाला 21 साल का मोनू अपने दोस्त के साथ रील बनाने किम रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंचा था। दोनों रील बनाने ब्रिज के पिलर पर चढ़ गए। इसी दौरान मोनू का बैलेंस बिगड़ गया और वह नीचे ऑटो पर जा गिरा। गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उसकी मदद की। सूचना मिलते ही किम पुलिस थाने की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई थी। टीम उसे पास के अस्पताल ळे गई।

मिडिल ईस्ट में एक और संघर्ष शुरू

सना। यमन में हूतियों और सऊदी अरब के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। हूतियों विद्रोहियों ने सोमवार को सऊदी के 4 शहरों पर हमला किया। इसमें 73 लोग घायल हुए। इसमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सऊदी में अबहा एयरपोर्ट, किंग खालिद एयरबेस और अरामको की कुछ फैसिलिटी पर भी हमले की खबर है। इन हमलों से कुछ घंटे पहले हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया था कि सऊदी अरब ने अल-हज्म शहर में एक जेल पर हमला किया था। इस हमले में 11 लोग मारे गए। मृतकों में एक बच्चा भी शामिल है। वह अपनी मां के साथ अपने पिता से मिलने आया था। जेल के वार्डन के मुताबिक, मलबे में एक महिला समेत 35 कैदी अभी भी फंसे हुए हैं।

सऊदी बोला- हमले का बदला लेंगे

सऊदी नेतृत्व वाले यमन गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने मंगलवार को कहा कि हूतियों ने सऊदी अरब में नागरिक और आर्थिक ठिकानों पर हमले किए।

बंगाल भाजपा अध्यक्ष बोले-

हमारा खाना बाहरी तय नहीं करेगा, यहां मां काली को मांस चढ़ता है

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि राज्य में लोग अपनी पसंद का खाना खाने के लिए स्वतंत्र हैं। किसी बाहरी धार्मिक व्यक्ति या राजनीतिक दल को यह तय करने का अधिकार नहीं है कि लोग क्या खाएं या क्या पहनें। बंगाल में मां काली को बकरे के मांस का भोग भी लगाया जाता है। दरअसल, हाल ही में हावड़ा दौरे के दौरान बागेश्वर धाम प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री ने लोगों से दुर्गा पूजा के दौरान नॉनवेज खाना छोड़ने की अपील की थी। उन्होंने त्योहार के दौरान नॉनवेज खाने वाले लोगों को पाखंडी बताया था। खाने-पीने का चुनाव व्यक्तिगत आजादी का मामला है और किसी बाहर से आए धार्मिक व्यक्ति के कहने पर बंगाल की पारंपरिक खान-पान की संस्कृति को नहीं बदला जा सकता। शास्त्री को शाकाहार अपनाने की अपील करने का अधिकार है, लेकिन उनकी बात बंगाली समाज पर थोपी नहीं जा सकती। हम किसी संत के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कह सकते। उनकी कथाएं पूरे देश में मशहूर हैं और हावड़ा में उन्हें सुनने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे।

फ्रांस- हिंदू संगठन के दौरे के बाद एफिल टावर बंद

महिला कर्मचारियों को काम से हटाने का आरोप

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में मशहूर एफिल टावर सोमवार को कर्मचारियों की हड़ताल के चलते बंद रहा। मामला शनिवार को हिंदू संगठन बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बापस) के करीब 100 सदस्यों के दौरे से जुड़ा है। आरोप है कि बापस प्रतिनिधिमंडल के आने से पहले कुछ महिला कर्मचारियों को अपनी जगह से हटने के लिए कहा गया, ताकि वहां पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया जा सके। इस घटना से महिला कर्मचारी आहत हुईं। उन्हें यह अपमानजनक लगा। मामला बढ़ने के बाद सोमवार को कर्मचारियों ने बैठक की और मैनेजमेंट से बातचीत की।

किसी की एंट्री नहीं रोकी, फिर भी मांगी माफी

बापस ने कहा कि करीब 100 लोगों के एफिल टावर दौरे की योजना संगठन और टावर के मैनेजमेंट ने मिलकर बनाई थी। दौरे का समय भी इस तरह तय किया गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो। संगठन के मुताबिक, उसकी जानकारी में किसी को भी एफिल टावर में प्रवेश करने से नहीं रोका गया। हालांकि, अगर इस घटना से किसी को दुख या परेशानी हुई है।

कर्मचारियों को मिले रेनकोट

मण्डला (नि.प्र.) लगातार हो रही बारिश को देखते हुए सरकार ने सभी जिलों में बाढ़ और जलभराव से निपटने के लिए पुख्ता इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद स्थानीय स्तर पर भी व्यवस्थाएं मजबूत की जा रही हैं इसी क्रम में नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित किए गए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके ने सफाई कर्मचारियों को रेनकोट वितरित किए इनमें महिला और पुरुष सफाई कर्मचारियों के लिए अलग-अलग रेनकोट उपलब्ध कराए गए।

सेवा संकल्प अभियान बैठक

मण्डला (नि.प्र.) प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व सेवा सुशासन और समर्पण के ऐतिहासिक 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 17 सितम्बर से 18 अक्टूबर तक पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है। जिला भाजपा कार्यालय में एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक संपन्न हुई कार्यक्रम के प्रारंभ में मंचासीन अतिथियों द्वारा देश के गौरव और संगठन के प्रेरणापुंज डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं भारत माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन किया गया।

लापता युवक का मिला शव

मण्डला (नि.प्र.) अंजनिया चौकी क्षेत्र में तीन दिन से लापता 21 वर्षीय युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में तालाब से शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सिझोरा निवासी चंद्रजीत मरावी उर्फ गोलू के रूप में हुई है। युवक के शव मिलने के बाद परिजनों ने उसकी हत्या की आशंका जताते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच मांग की है। वहीं पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्कूल भवन की दीवार गिरी

मण्डला (नि.प्र.) घुघरी विकासखंड के इमलीटोला स्थित प्राथमिक शाला भवन का एक कोना अचानक गिर गया। गनीमत रही कि घटना के समय बच्चे इसकी चपेट में नहीं आए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। स्कूल भवन का हिस्सा गिरने की घटना ने एक बार फिर सरकारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और जर्जर भवनों की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं ग्रामीणों के अनुसार स्कूल भवन काफी समय से जर्जर हालत में है। भवन की स्थिति को लेकर पिछले करीब दो वर्षों से लगातार जिम्मेदार अधिकारियों को जानकारी दी जा रही थी।

तेज बहाव में फंसी कार

मण्डला (नि.प्र.) जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र के बंधा पुल पर बड़ा हादसा टल गया जब पुल के ऊपर तेज बहाव के साथ पानी बहने के बावजूद तीन युवकों ने कार से पुल पार करने का प्रयास किया। पानी का बहाव तेज होने के कारण अर्टिगा कार नाले के बीचों-बीच फंस गई और उसमें सवार तीनों युवक जान के खतरे में पड़ गए। बताया जा रहा है कि तीनों युवक नगर नैनपुर के निवासी हैं और मंडला से डिठौरी मार्ग होते हुए नैनपुर जा रहे थे।

शिक्षकों का हुआ सम्मान

मण्डला (नि.प्र.) स्कूल शिक्षा विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे शिक्षकों को जिला मुख्यालय में स्थित शिक्षक सदन में सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमति मुन्नी वरकड़े सहायक संचालक श्री सेन्द्राम सेवानिवृत्त शिक्षक अरविन्द शुक्ला की उपस्थिति में सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के संभागीय अधिवेशन में पत्रकार हितों पर हुआ मंथन, नवनियुक्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

मण्डला (नि.प्र.)

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद का जबलपुर संभागीय महाधिवेशन कचनार क्लब जबलपुर में सम्पन्न हुआ। इस महाधिवेशन में जबलपुर संभाग के साथ मंडला, कटनी, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, नरसिंहपुर एवं करेली सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में पत्रकारों ने सहभागिता दर्ज कराई। कार्यक्रम के पूर्व मातृशक्तियों ने पत्रकारों का तिलक वंदन करते हुए पुष्पवर्षा की। यहां पर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वालन किया गया और महाअधिवेशन का शुभारंभ हुआ। जबलपुर जिला अध्यक्ष राहुल शर्मा ने उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय कराया तो वहीं अतिथियों का पुष्पमाला अंग वस्त्र से सम्मान किया गया। महाधिवेशन को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सांसद जबलपुर आशीष दुबे, विधायक अजय विश्नोई, विधायक अभिलाष पांडेय, पूर्व विधायक विनय सक्सेना, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, पूर्व मंत्री एवं पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, वरिष्ठ पत्रकार गंगा पाठक, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम शंकर तिवारी, संभागीय अध्यक्ष रवींद्र शर्मा एवं संभागीय महासचिव संजय मिश्रा सहित विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों ने संबोधित किया।

मंडला के पत्रकारों ने की सहभागिता

संभागीय महाधिवेशन में मंडला जिले की भी उल्लेखनीय सहभागिता रही। मंडला जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल के नेतृत्व में जिले के अनेक पत्रकार साथी जबलपुर पहुंचे और अधिवेशन में शामिल हुए। मंडला के पत्रकारों ने पत्रकार हितों से जुड़े विषयों पर अपनी बात रखते हुए संगठन की गतिविधियों को मजबूत बनाने और जिले के पत्रकारों को एकजुट रखने का संकल्प लिया। इस दौरान मंच से मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में मंडला जिले के चार पत्रकारो को नवीन दायित्व सौंपे गए निवास पिपरिया निवासी रोहित चौकसे को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। वही मंडला मुख्यालय निवासी रोहित बघेल जिला महासचिव की जिम्मेदारी दी गई। इसी कड़ी में दीपक कछवाहा को मंडला तहसील अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं युवा पत्रकार दीपक रजक को जिला मीडिया प्रभारी घोषित किया गया है। चारों पत्रकारों को राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने पुष्पमाला पहनाते हुए शपथ दिलाई। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष रत्नेश दुबे, जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल, संरक्षक हनुमान तिवारी, समाज कल्याण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष कैलाश डेहरिया, दीपक कछवाहा, रोहित बघेल, ओम बरमैया, किशोर रजक, दीपक रजक, राजेश यादव, साकिर खान, राजेन्द्र बंजारा, आशीष वैष्णव, फारूख खान, श्रीमति उमा यादव, श्रीमति सुनीता सैयाम, श्रीमति दीप्ती नरेलिया, रक्षा नामदेव, रोहित चौकसे, महेन्द्र झारिया, आकाश पटैल, अजय श्रीवास्तव, वीरेन्द्र पटैल, गजेन्द्र पटैल, निशांत पटैल, शुभम बैरागी, रजनीश मारूवंश, शोभित रावत, हसीब खान, हीरा उईके, आकाश चक्रवर्ती, अनिल रजक, शौकत अली, सहित अनेक पत्रकार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से 11 सूत्रीय मांग

महाधिवेशन के दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे ने पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम तैयार किए गए 11 सूत्रीय मांग पत्र का वाचन किया। मांग पत्र में पत्रकार हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से शामिल किया गया। इस दौरान कहा गया कि पत्रकारों की समस्याओं को शासन स्तर तक पहुंचाने के साथ-साथ उनके निराकरण के लिए लगातार प्रयास किए जाएंगे पदाधिकारियों ने कहा कि पत्रकार हितों से संबंधित विषय केवल किसी एक जिले या संगठन तक सीमित नहीं हैं बल्कि प्रदेशभर के पत्रकारों से जुड़े हुए हैं।

नवनियुक्त संभागीय पदाधिकारियों ने ली शपथ

महाधिवेशन का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद की जबलपुर संभागीय इकाई के नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह रहा। प्रदेश संगठन सचिव अनुरोध पटेरिया ने संभागीय अध्यक्ष रवींद्र शर्मा, महासचिव संजय मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिल गुप्ता एवं सतीश शर्मा, मुख्यालय उपाध्यक्ष सुजीत सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष मीना चौधरी, रामजी चौधरी, मंडला संतोष बंटी पांडे, ओ.पी. दुबे, ब्रजेश मिश्रा, शिवराम वर्मन, प्रखर पाठक एवं अनुरूप सिंह तोमर को शपथ दिलाई इसके साथ ही संभागीय संगठन सचिव अनुराग दीक्षित, संभागीय सचिव एवं सदस्यता प्रभारी शिव चौरसिया, संभागीय सचिव प्रशांत शुक्ला, हरि सिंह ठाकुर, अजय खरे, किशोर दानी एवं सतीश लवानिया, मीडिया प्रभारी उदय सिंह बैंस तथा सह-मीडिया प्रभारी जितेंद्र वैष्णव ने भी संगठन के प्रति निष्ठा और पत्रकार हितों के लिए कार्य करने की शपथ ली। महाधिवेशन का आयोजन राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद के राष्ट्रीय संयोजक नलिनकांत बाजपेयी, राष्ट्रीय संरक्षक गंगा पाठक, राष्ट्रीय अध्यक्ष परमानंद तिवारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रकाश तिवारी, राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रजत गुप्ता, राष्ट्रीय सचिव देव शंकर अवस्थी, राष्ट्रीय प्रवक्ता गंगा चरण मिश्रा एवं राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्य उमेश शुक्ला के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश दुबे, प्रदेश संयोजक मदन अवस्थी, प्रदेश मुख्य महासचिव विलोक पाठक, प्रदेश संगठन महासचिव अनुरोध पटेरिया, प्रदेश सचिव कमलेश गुप्ता एवं संतराम केवरे, प्रदेश अनुशासन समिति प्रभारी के.जी. शर्मा, समाज कल्याण प्रकोष्ठ प्रदेश प्रभारी शिवकुमार तिवारी सहित परिषद के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विभूतियों का हुआ सम्मान

महाधिवेशन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित भी किया गया। न्यायिक क्षेत्र से जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशीष ताम्रकार, पुलिस विभाग से नगर पुलिस अधीक्षक अखिलेश गौर, नगर पुलिस अधीक्षक महादेव नागोतिया, थाना प्रभारी उमेश गोहलानी एवं थाना प्रभारी नितिन कमल को सम्मानित किया गया इसी क्रम में उद्योग विभाग से महाप्रबंधक विनीत रजक, आलोक पाठक तथा प्राचार्य एडवोकेट ठाकुर चरण सिंह को भी सम्मान प्रदान किया गया। स्टेट बार काउंसिल में भारी मतों से निर्वाचित एडवोकेट आर.के. सिंह सैनी तथा हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित सचिव असीम त्रिवेदी का भी सम्मान किया गया।

डूडादेई में बाघिन को देखकर भागे ग्रामीण

मण्डला (नि.प्र.)

जिले के घुघरी ब्लॉक की ग्राम पंचायत डूडादेई के बूड़नेर नदी के जंगल में बाघों की मौजूदगी से हड़कंप मचा हुआ है। बाघ ने एक किसान के बैल को मार डाला है और अब जंगल में बाघ के बच्चे भी देखे गए हैं। घटना के बाद से पूरा गांव दहशत में है जानकारी के अनुसार किसान फुंदी लाल नंदा अपने मवेशियों को बूड़नेर नदी के जंगल में चरा रहे थे। तभी घात लगाए बैठे बाघ ने अचानक उसके बैल पर हमला कर दिया। बाघ के हमले में बैल की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जानकारी लगते ही ग्राम पंचायत सरपंच ने तत्काल वन विभाग घुघरी और घुघरी पुलिस थाना को सूचना दी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत बैल का पंचनामा किया बैल के शव के बारे में पता न चलने पर 6 सितंबर को ग्रामीण परेशान हुए। इसके बाद रविवार सुबह हरेसिंह आयाम अपने भाई के साथ बैल की खोज में जंगल गए। जंगल में अंदर जाते ही उन्हें झाड़ियों के बीच बाघ का एक शावक बैठा हुआ दिखा शावक को देखकर दोनों के होश उड़ गए और वे जान बचाकर जंगल से भागे ग्रामीणों का मानना है कि जंगल में बाघिन अपने 2-3 शावकों के साथ है बाघिन और शावकों की मौजूदगी की खबर से डूडादेई सहित आसपास के गांवों में दहशत फैल गई है। सरपंच ने ग्रामीणों से अपील की है कि अगले कुछ दिन तक कोई भी व्यक्ति अकेले जंगल में न जाए और मवेशियों को भी जंगल में चराने न ले जाए ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में हाथी गश्त और ट्रैप कैमरे लगाए जाएं मुनादी कराकर लोगों को जागरूक किया जाए और पीड़ित किसान फुंदी लाल नंदा को शासन की वन्य प्राणी द्वारा जनहानि पशुहानि मुआवजा योजना के तहत जल्द से जल्द मुआवजा प्रदान किया जाए।

हनुमान अंश देख कार्यकर्ता हुए भावविभोर

मण्डला (नि.प्र.)

भारतीय जनता पार्टी द्वारा 7 सितंबर को किंगफिशर मल्टीप्लेक्स में पूज्य संत नीम करौली बाबा महाराज के जीवन उनकी आध्यात्मिक साधना भक्ति सेवा और मानव कल्याण के संदेशों पर आधारित फिल्म हनुमान अंश भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को दिखाई गई सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने फिल्म देखी कार्यकर्ताओं को बाबा नीम करौली महाराज के जीवन और उनके आध्यात्मिक व्यक्तित्व को करीब से जानने और समझने का अवसर मिला। फिल्म में बाबा के जीवन से जुड़े प्रसंगों और उनके चमत्कारों को देखकर कार्यकर्ता भाव-विभोर नजर आए तो वहीं कई दर्शकों की आंखें भी नम हो गईं इस दौरान प्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री संपतिया उईके भी उपस्थि रही। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा में संतों का विशेष स्थान रहा है पूज्य नीम करौली बाबा महाराज का जीवन त्याग, तपस्या, भक्ति और सेवा की प्रेरणा देता है वही किंगफिशर मल्टीप्लेक्स में फिल्म देखने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी फिल्म को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। बाबा के चमत्कारों और उनके जीवन दर्शन को पर्दे पर देखकर कई कार्यकर्ता भावुक भी नजर आए इस अवसर पर भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा, जनप्रतिनिधि सहित कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मण्डला (नि.प्र.)

आगामी गणेश चतुर्थी पर्व को पर्यावरण के अनुकूल मनाने एवं नदी-तालाबों सहित जलस्रोतों को प्रदूषण से बचाने के उद्देश्य से मप्र जन अभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय माटी गणेश एवं सिद्ध गणेश निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक राशि अग्रवाल ने विद्यार्थियों को मिट्टी से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाने की व्यावहारिक जानकारी दी। इस अवसर पर परामर्शदाता राकेश अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल, इंद्रा उइके, सुमित हथाले एवं सुरेश सोनी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों से कहा गया कि वे माटी गणेश निर्माण की कला को अपने-अपने गांवों में अन्य लोगों तक पहुंचाएं और उन्हें पर्यावरण अनुकूल गणेश चतुर्थी मनाने के लिए प्रेरित करें।

सामाजिक बहिष्कार की धमकी पर शिकायत

मण्डला (नि.प्र.)

ग्राम तिलईपानी निवासी ओमकार यादव ने सामाजिक भोज एवं धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर कुछ ग्रामीणों द्वारा कथित रूप से दबाव बनाने सामाजिक बहिष्कार की धमकी देने और परिवार का हुक्का-पानी बंद करने की धमकी दिए जाने की शिकायत पुलिस से की है। शिकायतकर्ता ने मामले में संबंधित लोगों के विरुद्ध उचित कानूनी कार्यवाही मांग की है पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार ओमकार यादव ने बताया कि उनके बड़े भाई उत्तम यादव का 76 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उनके शुद्धिकरण एवं क्रियाकर्म के बाद 31 अगस्त 2026 को सामाजिक भोज आयोजित किया जाना था। इसी कार्यक्रम के लिए गांव-समाज के लोगों और अन्य रिश्तेदारों को आमंत्रित किया जा रहा था शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 31 अगस्त को दोपहर करीब 2 से 3 बजे के बीच गांव के पंचगण जाति समाज के लोग एवं रिश्तेदार मौजूद थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने शिकायतकर्ता और उनके भतीजे से कथित तौर पर कहा कि गांव के भागचंद यादव एवं मुरारी लाल यादव को सामाजिक भोज एवं दशगात्र कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया जाए। आरोप है कि यदि उन्हें आमंत्रित किया गया तो समाज के पंचगण उनके कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे और गांव के अन्य लोगों को भी कार्यक्रम में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि पूरे परिवार का हुक्का-पानी बंद करने की धमकी दी गई शिकायतकर्ता का कहना है कि गांव में किसी व्यक्ति द्वारा शिकायत किए जाने पर संबंधित मामले का समाधान गांव के पंचों द्वारा ही किए जाने की बात कही जाती है साथ ही आरोप लगाया गया है कि कुछ मामलों में लोगों पर दबाव बनाकर आर्थिक शोषण भी किया जाता है आवेदन में शिकायतकर्ता ने कहा है कि वह और आवेदन में उल्लेखित सभी लोग ग्राम तिलईपानी थाना तहसील एवं जिला मंडला के निवासी हैं तथा एक ही जाति समाज से संबंधित हैं। शिकायत कर्ता ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर कथित रूप से धमकी देने वाले लोगों के विरुद्ध उचित दंडात्मक कार्यवाही करने का अनुरोध किया है।

गाइड्स का चल रहा प्रशिक्षण

मण्डला (नि.प्र.)

कान्हा टाइगर रिजर्व के परिक्षेत्र मुक्की अंतर्गत नेचर गाइड्स के कौशल एवं संचार क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से इको टूरिज्म बोर्ड, मध्यप्रदेश एवं कान्हा टाइगर रिजर्व द्वारा 15 दिवसीय इंग्लिश स्पीकिंग कोर्स का आयोजन किया जा रहा है उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 31 अगस्त को हुआ प्रशिक्षण में परिक्षेत्र मुक्की के 59 नेचर गाइड्स सहभागिता कर रहे हैं प्रशिक्षण का उद्देश्य नेचर गाइड्स को देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के साथ प्रभावी ढंग से अंग्रेजी भाषा में संवाद करने वन्यजीवों एवं जैव-विविधता से संबंधित जानकारी को सरल एवं प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत करने तथा पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक भाषा एवं संचार कौशल प्रदान करना है यह 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 13 सितंबर को समाप्त होगा।

शिक्षिकाएं सम्मानित

मण्डला (नि.प्र.)

शिक्षक दिवस के अवसर पर इनर व्हील क्लब द्वारा तनख्वाह मेमोरियल स्कूल की शिक्षिकाओं के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान दिव्यांग बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए समर्पण धैर्य और जुझारूपन के साथ कार्य कर रही शिक्षिकाओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए धन्यवाद देते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब की प्रेसिडेंट अनीता गोयल, सरिता इसरानी, अनीता राय, नीता डोंगरे सहित विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

सांसद ने जताया शोक

मण्डला (नि.प्र.)

सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते महाराजपुर निवासी भाजपा कार्यकर्ता एवं चेतावनी अखबार के संपादक जाकिर भाईजान के निवास पर पहुंचे इस दौरान उन्होंने कुछ माह पूर्व दिवंगत हुई जाकिर भाईजान की बहू के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए परिजनों से मुलाकात की और उन्हें ढांढस बंधाया जाकिर भाईजान की बहू के निधन के बाद परिवार में उनकी दो बेटियां रह गई हैं सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने दोनों मासूम बेटियों से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उन्हें दुलार करते हुए अपना स्नेह एवं आशीर्वाद दिया।

जेवनारा ग्राम में घर-घर विक्रय की जा रही शराब

आबकारी अधिकारियों के संरक्षण में चल रहा पूरा खेल

मण्डला (नि.प्र.)

नैनपुर नगर व पिंडरई में देशी व विदेशी शराब का ठेका शासन के ठेका प्रक्रिया के तहत ठेकेदार को लायसेंस दिया गया है परंतु शराब ठेकेदार के द्वारा विकास खंड नैनपुर के 74 ग्राम पंचायतों के ग्रामों में अवैध शराब बेची जा रही है। इसके अलावा नगर नैनपुर के 15 वार्डो में एक नहीं अनेक स्थानों में शराब बेची जा रही है। जिसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन में करने पर दो-चार लोगों पर कार्रवाई कर सीएम हेल्पलाइन बन्द कर दी जा रही है। परंतु अवैध शराब के विक्रय पर रोक नहीं लग पा रही है । चांदी के शिक्को की चमक में जिला आबकारी अधिकारियों को अवैध शराब का क्रय-विक्रय किया जा ना दिखाई नहीं दे रहा है। नैनपुर नगर से लगे ग्राम जेवनारा में बड़ी संख्या में शराब बेचने का काम किया जा रहा है । सूत्रों का कहना है कि जेवनारा में अंग्रेजी शराब से लेकर कच्ची शराब जितनी चाहिए उतनी मिल जाया करती है जिससे नैनपुर से पिंडरई का रास्ता रात भर चलता है ग्राम वासियों का कहना है कि शराबियों और विचोलियो के कारण ग्राम का माहोल खराब हो रहा है साथ ही घटना दुर्घटना होने की सम्भावना भी बनी हुई है । ग्राम के लोग भय के साए में जीवन यापन कर रहे हैं। जिसकी शिकायत 112 पुलिस को भी आये दिन किया जाता आ रहा है परंतु शराबियों और शराब विक्रेताओ पर कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है। ग्राम वासियों का कहना है कि आबकारी विभाग के अधिकारी किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

जन्म के बाद नवजात बिटिया को गाजे-बाजे के साथ घर लेकर आए

शिवपुरी। समय के साथ समाज की सोच अब बदल रही है। बेटे से ज्यादा लोग बेटी के जन्म पर खुशी मना रहे हैं और समाज को सकारात्मक संदेश भी दे रहे हैं। ऐसी ही जन्मी एक बिटिया का अस्पताल से घर आगमन का सफर सोमवार को शहर में चर्चा का विषय बना रहा। दरअसल तानपुर स्कूल में पदस्थ शिक्षक अखिलेश शर्मा और जिला न्यायालय में कार्यरत उनकी पत्नी शशि शर्मा के यहां बीते रोज बेटी ने जन्म लिया। पूरे परिवार में बिटिया के जन्म पर खुशी का माहौल है और सोमवार को दोपहर में अस्पताल से जब डिस्चार्ज किया गया तो शर्मा दंपत्ति और उनके परिजनों ने अनोखे अंदाज में बिटिया की आगवानी करने का निर्णय लिया। बिटिया को गुब्बारों और फूलों से सजी कार में गाजे-बाजे के साथ शहर के मुख्य मार्गों से होकर माधव नगर स्थित अपने निज निवास तक लाया गया। इस दौरान कार पर नवजात बिटिया के फोटो सहित अंकित पोस्टर .... बेटी हुई है... लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र तो रहा ही। साथ ही समाज को एक सकारात्मक संदेश भी देता नजर आया कि बेटे और बेटी में कोई फर्क नहीं है। परिजनों ने नवजात बिटिया के लिए अपने घर को भी आकर्षक ढंग से सजाया। यह पूरा घटनाक्रम सोशल साइट पर भी चर्चाओं में रहा।

बाणगंगा धाम में पांच अक्टूबर से होगी श्रीमद् भक्तमाल कथा

शिवपुरी। शिवपुरी के प्राचीन श्री बाणगंगा धाम में पांच से दस अक्टूबर तक श्रीमद् भक्तमाल कथा का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में पितृ यज्ञ भी होगा। पितृ यज्ञ 26 सितंबर से प्रारंभ होगा और 10 अक्टूबर तक चलेगा। आयोजकों ने बताया कि कथा व्यास के रूप में जगदगुरु श्री रामानंदाचार्य वल्लभाचार्य जी पीठाधीश्वर, श्री राम हर्षण मैथिल सख्य, श्री धाम अयोध्या होंगे। इस धार्मिक कार्यक्रम में पावन सानिध्य महामंडलेश्वर महंत श्री नारायण दास जी महाराज बाणगंगा तीर्थ क्षेत्र का रहेगा। उनके मार्गदर्शन में कथा और यज्ञ संपन्न होंगे।

दुर्गापुर में तेज बारिश से गिरा दो मंजिल मकान

शिवपुरी। तीन दिन से लगातार हो रही बारिश के चलते ग्राम पंचायत चंदावनी के मजरा दुर्गापुर गांव में रामहेत पुत्र रामकिशन पाल व सामलात रामस्वरूप पाल का दो मंजिल पुराना घर बारिश के कारण बीती रात्रि में अचानक भरभराकर गिर गया। इस घटना में पीड़ित को दो लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। रामकिशन और भाई रामस्वरूप पाल ये दोनों भाई इस घर में निवास करते हैं। जिनका मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। हादसे के बाद परिवार के सामने निवास की नई समस्या जरूर खड़ी हो गई है। बताया जा रहा है कि मकान गिरने की घटना रात्रि में तब हुई जब मकान के अंदर बकरियां भी बंधी हुई थीं।

[सफलता] कोतवाली पुलिस की नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

12 लाख की स्मैक जब्त, आरोपी गिरफ्तार

नगर संवाददाता, शिवपुरी

शहर को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए स्मैक बेचने की कथित तैयारी कर रहे एक आरोपी को दबोचा है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 62.16 ग्राम स्मैक जब्त की है। जिसकी अनुमानित कीमत करीब 12 लाख रुपए बताई गई है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया।

पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने जिले में नशीले पदार्थों के अवैध विक्रय एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक सचिन कुमार धुर्वे के मार्गदर्शन में शहर कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे ने पुलिस टीम गठित की। शहर कोतवाली टीआई रोहित दुबे के अनुसार 6 सितंबर 2026 को सूचना मिली कि कठमई खेल मैदान के पास एक व्यक्ति स्मैक लेकर बिक्री की फिराक में खड़ा है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसने अपना नाम बल्लू उर्फ बलराम गुर्जर पुत्र सूरज गुर्जर उम्र 40 वर्ष निवासी कोटा भगोरा, थाना देहात, जिला शिवपुरी बताया। तलाशी लेने पर उसके लोअर की दाहिनी जेब में पारदर्शी पन्नी में 62.16 ग्राम स्मैक मिली। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली थाने में अपराध क्रमांक 694/26 धारा 8/21 एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई है। पुलिस आरोपी से स्मैक के स्रोत और नेटवर्क के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके खिलाफ दुष्कर्म सहित चार मामले दर्ज हैं।

सिरसौद सरपंच ने ग्रामीणों से की कच्ची शराब नहीं पीने की अपील

सागर जिले में जहरीली शराब से हुई मौतों के बाद शिवपुरी जिले में भी पंचायत स्तर पर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। करैरा जनपद की सिरसौद ग्राम पंचायत में सोमवार को सरपंच अतर सिंह लोधी ने गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों से कच्ची, संदिग्ध और अवैध शराब से दूर रहने की अपील की है। सरपंच अतर सिंह लोधी ढपला वाले के साथ पंचायत के गांवों में पहुंचे। उन्होंने सागर जिले की घटना का जिक्र करते हुए ग्रामीणों को शराब के खतरों के बारे में बताया और कच्ची शराब नहीं पीने की अपील की। मुनादी के दौरान ग्रामीणों से कहा गया कि कच्ची शराब जानलेवा हो सकती है इसलिए इससे बचें। किसी भी संदिग्ध या अवैध शराब की बिक्री की जानकारी मिलने पर पुलिस और प्रशासन को सूचना देने की अपील भी की गई।

पिछोर में 2000 लीटर लहान नष्ट, 510 लीटर शराब जब्त

जिलाधीश के निर्देश पर संयुक्त दल की कार्रवाई

शिवपुरी। जिलाधीश एवं जिला दंडाधिकारी अर्पित वर्मा द्वारा जिले में अवैध मदिरा का निर्माण, भंडारण, परिवाहन एवं विक्रय पर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस निर्देश के पालन में राजस्व, पुलिस एवं आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाकर वृहद स्तर पर लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में संयुक्त दल ने पिछोर क्षेत्र के ग्राम सालौरा एवं करारखेड़ा में बड़ी कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार प्रशासन की संयुक्त टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम सालौरा में हाथ भट्टी से कच्ची शराब का अवैध निर्माण एवं विक्रय चल रहा है। यह सूचना मिलते ही टीम ने ग्राम सालौरा में रोहित उर्फ भूरा लोधी के खेत पर छापा मारा। जहां आठ ड्रमों में भरा करीब 1500 लीटर लहान मिला। जिसे तुरंत मौके पर ही नष्ट कराया गया। इसके साथ ही मौके से तीन ड्रमों में भरी लगभग 450 लीटर कच्ची शराब जब्त की गई जबकि रोहित लोधी मौके से फरार पाया गया। इसके पश्चात संयुक्त टीम ने ग्राम करारखेड़ा में हरेन्द्र चौहान पुत्र प्रहलाद चौहान के खेत पर दबिश दी। यहां तीन प्लास्टिक ड्रमों में भरा करीब 500 लीटर लहान मौके पर ही नष्ट कराया गया। आरोपी के कब्जे से 60 लीटर कच्ची शराब भी जब्त की गई। टीम ने हरेन्द्र चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। इस संपूर्ण कार्रवाई के दौरान कुल 11 प्लास्टिक ड्रमों में रखा 2000 लीटर लहान (अनुमानित मूल्य 20,000 रुपए) नष्ट किया गया। कुल 510 लीटर अवैध हाथ भट्टी निर्मित कच्ची शराब (अनुमानित कुल कीमत 51,500 रुपए) जब्त की गई। दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

मौसमी नदी में बहे तीनों पशुओं के शव मिले

ग्रामीण को दो लाख का नुकसान

शिवपुरी। जिले के रन्नौद थाना क्षेत्र के बीजरी गांव में रविवार को मौसमी नदी में बहे तीन पशुओं के शव सोमवार को सुबह विजयपुरा के पास मिले हैं। इनमें एक गाय और दो भैंसें शामिल हैं। तीनों पशु बीजरी गांव निवासी दयाराम राठौर के थे। पशुओं की मौत से दयाराम के परिवार को करीब दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है। दयाराम राठौर की गाय और दोनों भैंसें रविवार को गांव के बाहर चरने के लिए गई थीं। शाम को पशु वापस लौट रहे थे। इसी दौरान मौसमी नदी में अचानक तेज बहाव आ गया। नदी के तेज बहाव की चपेट में आने से तीनों पशु बह गए। ग्रामीणों ने काफी तलाश की लेकिन रविवार देर शाम तक पशुओं का कोई पता नहीं चल सका था। सोमवार सुबह विजयपुरा के पास ग्रामीणों को तीनों पशु मृत अवस्था में मिले। इसकी सूचना दयाराम राठौर को दी गई। वह मौके पर पहुंचे और तीनों पशुओं की पहचान की।

कोलारस मंडी कार्यालय में सांप, खुरई गांव में पहुंचा मगरमच्छ

शिवपुरी। शिवपुरी जिले में सोमवार को दो अलग-अलग जगहों पर सांप और मगरमच्छ मिले। कोलारस कृषि उपज मंडी कार्यालय में करीब पांच फीट लंबा सांप घुस गया। वहीं पिछोर थाना क्षेत्र के खुरई गांव में रात के समय करीब छह फीट लंबा मगरमच्छ नजर आया। दोनों मामलों में रेस्क्यू टीमों ने जानवरों को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

भृगुवंशम ब्राह्मण समाज ने किया शिक्षकों का सम्मान

नगर संवाददाता, शिवपुरी

भृगुवंशम भार्गव ब्राह्मण समाज एवं शिक्षक कल्याण सहकारी संस्था द्वारा शहर के तीर्थ क्षेत्र वाणगंगा पर साम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में भृगुवंशम ब्राह्मण समाज के संयोजक सीबी पांडे, जिलाध्यक्ष महेश शर्मा एवं ट्रस्ट अध्यक्ष डॉ. बीके शर्मा सहित शिक्षक कल्याण सहकारी संस्था के नरेन्द्र व्यास उपस्थित थे।

समारोह को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष महेश शर्मा ने कहा कि गुरु सम्मान परंपरा का निर्वहन करते हुए गत वर्ष की भांति इस साल भी उन सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। जिन्होंने विद्यालय में शिक्षक के रूप में अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करते हुए के क्षेत्र में अपना उत्कृष्ट योगदान दिया है। इस दौरान शिक्षाविद् मधुसूदन चौबे, माधव शरण द्विवेदी, देवेन्द्र भार्गव अमोला सहित कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों को शॉल व श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर भृगुवंशम ब्राह्मण समाज के सचिव राकेश मिश्रा, शत्रुघ्न सिंह तोमर, रघुराज सिंह, अजय त्रिपाठी, लक्ष्मीनारायण मिश्रा, द्वारका पाराशर, जयप्रकाश भार्गव, अनिल दुबे, जितेन्द्र व्यास, राजेश पुरोहित, चंद्रकांत मिश्रा, नंदकुमार भार्गव, राजेश पुरोहित, डॉ. सतीश शर्मा मौजूद रहे।

गड्ढों के कारण लोडिंग वाहन पलटा, दो युवक घायल, तीसरे ने छलांग लगाकर बचाई जान

कॉलेज लिंक रोड के पास हुई दुर्घटना

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जिले के कोलारस कस्बे में पुरानी एबी रोड की खराब हालत एक बार फिर हादसे की वजह बन गई। कॉलेज लिंक रोड के पास सड़क के गड्ढों में भरे पानी के बीच एक तीन पहिया लोडिंग वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में वाहन के केबिन में फंसे चालक जानू और एक अन्य युवक को चोटें आई हैं। दोनों को कोलारस स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार सोमवार को तीन पहिया लोडिंग वाहन प्लास्टिक की रस्सियां भरकर मानीपुरा की ओर जा रहा था। इन रस्सियों का उपयोग टमाटर की खेती में पौधों को बांधने के लिए होता है। वाहन को जानू चला रहा था। उसके साथ एक युवक केबिन में बैठा था जबकि तीसरा युवक लोडिंग में रखी बोरियों के ऊपर बैठा था। कॉलेज लिंक रोड के पास पुरानी एबी रोड पर सड़क के गड्ढों में बारिश का पानी भरा हुआ था। लोडिंग वाहन जैसे ही इन गड्ढों से गुजरा तो अनियंत्रित होकर पलट गया। लोडिंग में बोरियों के ऊपर बैठे युवक ने समय रहते छलांग लगाकर अपनी जान बचा ली। इसी दौरान सड़क से गुजर रही एक महिला भी पलटे हुए वाहन की चपेट में आने से बाल-बाल बच गई। यह पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।

केबिन टूटने से चालक और युवक फंसे

हादसे के बाद वाहन का केबिन टूट गया। चालक जानू और दूसरा युवक उसमें फंस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को बाहर निकाला और इलाज के लिए कोलारस स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। स्थानीय लोगों के अनुसार कोलारस कस्बे के बीच से गुजरने वाली पुरानी एबी रोड लंबे समय से खराब है। बायपास बनने के बाद एनएच-46 का फोरलेन मार्ग कस्बे के बाहर से निकल गया लेकिन पुरानी एबी रोड का कई सालों से सही रखरखाव नहीं हुआ है। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। जिनमें बारिश का पानी भरने से वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

शिवपुरी में आज से शुरू होगी पर्युषण महापर्व की आराधना

नगर संवाददाता, शिवपुरी

जैन धर्म के आत्मशुद्धि, संयम और क्षमा के पावन पर्व पर्युषण महापर्व की आराधना मंगलवार आठ सितंबर से प्रारंभ होगी। श्वेतांबर जैन समाज द्वारा यह आठ दिवसीय महापर्व श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। जैन धर्म में पर्युषण महापर्व का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। यह पर्व आत्मचिंतन, तप, त्याग, स्वाध्याय, संयम के माध्यम से स्वयं के भीतर झांकने और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर प्रदान करता है। इस महापर्व के दौरान श्रावक-श्राविकाएं उपवास, सामायिक, प्रतिक्रमण, ध्यान, स्वाध्याय एवं प्रवचन आदि धार्मिक आराधनाओं में सहभागिता करेंगे। जैनाचार्यों के अनुसार पर्युषण का मुख्य उद्देश्य मन, वचन, काया से हुए दोषों के लिए आत्मचिंतन करते हुए क्षमा मांगना और आने वाले समय में संयमित एवं सदाचारी जीवन जीने का संकल्प लेना है। इस वर्ष पर्युषण महापर्व 8 से 15 सितंबर तक मनाया जाएगा। समाज के अध्यक्ष तेजमल सांखला एवं सचिव विजय पारख ने बताया कि पर्युषण महापर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

झांसी से चोरी की गईं तीन बाइक अमोलपठा से जब्त

नगर संवाददाता, शिवपुरी

22 वर्षीय आरोपी युवक गिरफ्तार

अमोला थाना पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में कार्रवाई करते हुए झांसी से चोरी की गईं तीन मोटरसाइकिलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बरामद मोटरसाइकिलों की अनुमानित कीमत 90 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर जिले में चोरी के मामलों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामदास प्रजापति एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी करैरा के मार्गदर्शन में अमोला थाना प्रभारी उपनिरीक्षक योगेन्द्र सिंह सेंगर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है। अमोला थाना प्रभारी के अनुसार 7 सितंबर 2026 को अमोलपठा मार्ग स्थित कुशवाह होटल के पास से आरोपी शिवम उर्फ नेम गौर पुत्र भरत गौर उम्र 22 वर्ष निवासी गण दांगीपुरा, थाना अमोला, जिला शिवपुरी को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से तीन चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गईं। बरामद वाहनों में मोटरसाइकिल क्रमांक यूपी 93 बीवी 1773, बजाज पल्सर क्रमांक यूपी 3 एपी 3363, एक होंडा साइन मोटरसाइकिल शामिल है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना अमोला में अपराध क्रमांक 207/26, धारा 303 (2), 317 (2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे पीड़ित

पिछोर में दो घरों से आठ लाख रुपए सहित सोने-चांदी के जेवरात चोरी

नगर संवाददाता, शिवपुरी

पिछोर थाना क्षेत्र में 10 दिन के भीतर दो घरों में चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। करारखेड़ा में चोर घर का ताला तोड़कर आठ लाख रुपए नकदी, करीब 30 तोला सोना और एक किलो चांदी के जेवरात समेट ले गए। वहीं सेमरी गांव में 4.20 लाख रुपए नकदी और सोने-चांदी के जेवरात चोरी हुए हैं। दोनों पीड़ितजन सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और चोरी गया सामान बरामद कराने की मांग की।

करारखेड़ा निवासी अजय राजा चौहान के अनुसार 31 अगस्त की रात करीब 12 बजे परिवार खाना खाने के बाद सो गया था। एक सितंबर को सुबह करीब 6:30 बजे उठे तो कमरे का ताला टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी का लॉकर भी टूटा था। अजय के मुताबिक अलमारी में रखे करीब 30 तोला सोने-चांदी के जेवर और लाख रुपए नकदी चोरी हो गए। उन्होंने बताया कि नकदी और जेवर बच्ची की शादी के लिए रखे थे। अजय ने एक सितंबर को पिछोर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन छह दिन बाद भी आरोपियों का पता नहीं चल सका है।

सेमरी में बक्सा ले गए चोर

सेमरी गांव निवासी विजय कुमार श्रीवास्तव के अनुसार 21 अगस्त की रात वह पिछोर स्थित अपने मकान पर थे। रात करीब 2:30 बजे उनके भांजे पुनीत श्रीवास्तव ने फोन कर घर में चोरी होने की जानकारी दी। इसके बाद विजय सेमरी गांव पहुंचे। घर के कमरे में रखा बक्सा गायब था। तलाश करने पर बक्सा बसईयां वाली पोर के पास खाली पड़ा मिला। विजय के अनुसार बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी गायब थी। पुलिस को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक अज्ञात चोर 21 अगस्त की रात करीब 12:30 से 2 बजे के बीच कमरे की कुंदी खोलकर अंदर घुसे। इसके बाद बक्से का ताला तोड़कर नकदी और जेवर ले गए। विजय के मुताबिक घर से करीब 4 लाख 20 हजार रुपए नकद और लाखों रुपए कीमत के सोने-चांदी के जेवर चोरी हुए हैं। उन्होंने चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई है।

श्याम बिहारी सरल की काव्य कृति 'दिल की आवाज' का विमोचन

नगर संवाददाता, शिवपुरी

तलेन राजगढ़ में आत्मबोध से विश्वबोध आयोजन में शिवपुरी के साहित्यकार श्याम बिहारी सरल की कृति 'दिल की आवाज' का विमोचन किया गया। साथ ही उनकी साहित्यिक सेवा व उत्कृष्ट कार्य के लिए उनको सम्मानित भी किया गया। इस साहित्यिक आयोजन में पद्मश्री व जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पर्यावरण प्रेमी मोहन नागर मुख्य अतिथि, वरिष्ठ पत्रकार अशोक त्रिपाठी सारस्वत अतिथि, वरिष्ठ लेखक प्रवीण गुगनानी बैतूल अध्यक्षीय व आशुतोष शर्मा ओज अखिल भारतीय साहित्य परिषद के प्रांत महामंत्री शिवपुरी, सुनील पांसे दास बैतूल, दिनेश याग्निक रायसेन विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

इस आयोजन में शिवपुरी के वरिष्ठ साहित्यकार श्याम बिहारी सरल के शैक्षणिक व साहित्यिक योगदान के लिए सम्मानित भी किया गया। सरल की कृति दिल की आवाज पर प्रकाश डालते हुए साहित्य परिषद राजगढ़ के जिलाध्यक्ष राजेश सत्यम ने कहा कि कविताओं की पुस्तक को पहले राज्य सरकार द्वारा परखा जाता है। सरल की पुस्तक दिल की आवाज को चयनित किया गया और उसे प्रकाशित भी मध्यप्रदेश शासन के साहित्य अकादमी द्वारा किया गया। इससे स्पष्ट प्रमाणित होता है कि सरल की कविताओं का स्तर क्या है। उनके शिक्षा गीत व बाल गीत निश्चित रूप से ही श्रेष्ठ हैं, लोगो को प्रेरित करते हैं। सरल की इस उपलब्धि पर वरिष्ठ साहित्यकार प्रमोद भार्गव, पुरुषोत्तम गौतम, अरुण अपेक्षित, डॉ. एचपी जैन, सुकून शिवपुरी, प्रदीप अवस्थी, महेंद्र अग्रवाल, गोविंद अनुज, राजकुमार चौहान, शरद गोस्वामी, बसंत श्रीवास्तव, जया गुप्ता, अंजली गुप्ता, कल्पना सिनोरिया, उर्वशी गौतम, चन्दर मेहता, श्याम शास्त्री, मुकेश शर्मा, सौरभ तिवारी, सतीश दीक्षित किंकर, राकेश मिश्रा, अजय जैन अविराम आदि ने बधाई दी है।

संपादकीय

विकास यात्रा की चुनौतियां

अर्थव्यवस्था को लेकर जारी चिताओं के बीच हाल मे अमेरींका की अध्यक्षता के तहत नॉर्थ कैरोलाइना के ऐशविल में हुई बैठाक मैं सामने आया अमेरिका का वित्तीय या फाइनेंस ट्रैक के प्रति नजरिया तीन मुद्दों को प्राथमिकता देता है- वृद्धि, वैश्विक असंतुलन और वित्तीय साक्षरता। ये प्राथमिकताएं भारत और समूह के अधिकांश सदस्यों की भी हैं। हालाकि शिखर सम्मेलन में सहमति नहीं बन सकी और इसके कारण समझना आसान है। 20 में से 19 सदस्य अध्यक्ष के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार हो गए लेकिन चीन इसके लिए तैयार नहीं हुआ। भंडार और व्यापार अधिशेष के रूप में वैश्विक असंतुलनों से लाभान्वित होने के कारण उसने लगातार इन्हें समस्या मानने से इनकार किया है। परंतु घोषणापत्र में उल्लेख किया गया कि बड़े पैमाने पर असंतुलन प्रमुख वैश्विक अस्थिरता का कारण हैं और इनके नकारात्मक प्रभाव भी पड़ते हैं। ये कुछ अर्थव्यवस्थाओं में गैर-बाजार स्थितियों और गैर-शुल्क बाधाओं के लक्षण भी हैं। इस मामले में यह स्पष्ट है कि ये चिंताएं ठोस बुनियाद पर आधारित हैं। चीन के बाजार बाहर की कंपनियों के लिए काफी हद तक बंद हैं। अर्थव्यवस्था पर कम्युनिस्ट पार्टी का अतिशय नियंत्रण उसे निवेश को प्राथमिकता देने पर विवश करता है, यहां तक कि स्वस्थ खपत पर भी जरूरत से ज्यादा निवेश को तरजीह दी जाती है जो विश्व स्तर पर समग्र मांग को बढ़ा सकता है। इसके अलावा कुछ उत्पादन और निर्यात क्षेत्रों में उसके लक्षित यद्यपि छिपे हुए सब्सिडी बाजार सिद्धांतों का उल्लंघन करते हैं और उन शर्तों के विपरीत हैं जिन पर उसे 2001 में विश्व व्यापार संगठन में शामिल किया गया था।इस मुद्दे पर चीन का अलग-थलग पड़ना इस बात का संकेत है कि उसने लगातार इन चिंताओं को संबोधित करने से इनकार किया है और अब तो इस बात से भी नकार रहा है कि वे मौजूद हैं। इसका मकसद इस शिखर सम्मेलन और ऐसे अन्य प्रयासों को जो उसके लगातार बने रहने वाले असंतुलन की समस्या को संबोधित करने के लिए किए जाते हैं, चीनी अर्थव्यवस्था की बढ़त को रोकने की कोशिश के तौर पर पेश करना है।अगर इसी अवधि में अमेरिका ने खुद यह दावा करके अपनी विश्वसनीयता नष्ट नहीं की होती कि एकतरफा शुल्क वह उचित तरीका है जिसके जरिये असंतुलन की समस्या का समाधान किया जा सकता है तो इसे कोई स्वीकार नहीं करता। जिस तरह चीन अपनी गैर-बाजार नीतियों और व्यापार व्यवस्था के अपने हित में इस्तेमाल को लेकर दुनिया में अलग-थलग पड़ गया है उसी तरह अमेरिका भी पिछले कुछ वर्षों में उसके द्वारा अपनाए गए एकतरफावाद और व्यापारिक राष्ट्रवाद के कारण लगभग उसी हालत में है। यह स्थिति विशेष रूप से तब से बनी है जब से डॉनल्ड ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं। ट्रंप द्वारा शुरू में लगाए गये शुल्क सीधे तौर पर व्यापार घाटे को निशाना बनाने के लिए तैयार किए गए थे। लेकिन व्यापार असंतुलन अपने-आप में गहरी समस्याओं के लक्षण हैं-बचत और निवेश के बीच असंतुलित व्यवस्था और ऐसी अर्थव्यवस्थाएं जो जरूरत से ज्यादा या तो बचत पर या फिर खपत पर निर्भर हैं।इसलिए बीमारी का इलाज करने के बजाय उसके लक्षण को दूर करने की कोशिश करना, खासकर एकतरफा और बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य के ऐसा करना अतार्किक नीति-निर्माण है।

सुविचार

उत्तम पुरुषों की संपत्ति का मुख्य प्रयोजन यही है कि औरों की विपत्ति का नाश हो।

ज्ञानवाणी

आज ही क्यों नहीं

एक बार की बात है कि एक शिष्य अपने गुरु का बहुत आदर-सम्मान किया करता था ।गुरु भी अपने इस शिष्य से बहुत स्नेह करते थे लेकिन वह शिष्य अपने अध्ययन के प्रति आलसी और स्वभाव से दीर्घसूत्री था ।

सदा स्वाध्याय से दूर भागने की कोशिश करता तथा आज के काम को कल के लिए छोड़ दिया करता था। अब गुरूजी कुछ चिंतित रहने लगे कि कहीं उनका यह शिष्य जीवन-संग्राम में पराजित न हो जाये। आलस्य में व्यक्ति को अकर्मण्य बनाने की पूरी सामर्थ्य होती है।

ऐसा व्यक्ति बिना परिश्रम के ही फलोपभोग की कामना करता है। वह शीघ्र निर्णय नहीं ले सकता और यदि ले भी लेता है,तो उसे कार्यान्वित नहीं कर पाता। यहाँ तक कि अपने पर्यावरण के प्रति भी सजग नहीं रहता है और न भाग्य द्वारा प्रदत्त सुअवसरों का लाभ उठाने की कला में ही प्रवीण हो पता है। उन्होंने मन ही मन अपने शिष्य के कल्याण के लिए एक योजना बना ली। एक दिन एक काले पत्थर का एक टुकड़ा उसके हाथ में देते हुए गुरु जी ने कहा 'मैं तुम्हें यह जादुई पत्थर का टुकड़ा, दो दिन के लिए दे कर, कहीं दूसरे गाँव जा रहा हूँ। जिस भी लोहे की वस्तु को तुम इससे स्पर्श करोगे, वह स्वर्ण में परिवर्तित हो जायेगी, पर याद रहे कि दूसरे दिन सूर्यास्त के पश्चात मैं इसे तुमसे वापस ले लूँगा।'

शिष्य इस सुअवसर को पाकर बड़ा प्रसन्न हुआ लेकिन आलसी होने के कारण उसने अपना पहला दिन यह कल्पना करते-करते बिता दिया कि जब उसके पास बहुत सारा स्वर्ण होगा तब वह कितना प्रसन्न, सुखी,समृद्ध और संतुष्ट रहेगा, इतने नौकर-चाकर होंगे कि उसे पानी पीने के लिए भी नहीं उठाना पड़ेगा। फिर दूसरे दिन जब वह प्रातःकाल जागा,उसे अच्छी तरह से स्मरण था कि आज स्वर्ण पाने का दूसरा और अंतिम दिन है। उसने मन में पक्का विचार किया कि आज वह गुरूजी द्वारा दिए गये काले पत्थर का लाभ ज़रूर उठाएगा। उसने निश्चय किया कि वो बाज़ार से लोहे के बड़े-बड़े सामान खरीद कर लायेगा और उन्हें स्वर्ण में परिवर्तित कर देगा। दिन बीतता गया, पर वह इसी सोच में बैठा रहा की अभी तो बहुत समय है, कभी भी बाज़ार जाकर सामान लेता आएगा। उसने सोचा कि अब तो दोपहर का भोजन करने के पश्चात ही सामान लेने निकलूंगा.पर भोजन करने के बाद उसे विश्राम करने की आदत थी , और उसने बजाये उठ के मेहनत करने के थोड़ी देर आराम करना उचित समझा। पर आलस्य से परिपूर्ण उसका शरीर नीद की गहराइयों में खो गया, और जब वो उठा तो सूर्यास्त होने को था। अब वह जल्दी-जल्दी बाज़ार की तरफ भागने लगा, पर रास्ते में ही उसे गुरूजी मिल गए उनको देखते ही वह उनके चरणों पर गिरकर, उस जादुई पत्थर को एक दिन और अपने पास रखने के लिए याचना करने लगा लेकिन गुरूजी नहीं माने और उस शिष्य का धनी होने का सपना चूर-चूर हो गया। पर इस घटना की वजह से शिष्य को एक बहुत बड़ी सीख मिल गयी, उसे अपने आलस्य पर पछतावा होने लगा, वह समझ गया कि आलस्य उसके जीवन के लिए एक अभिशाप है और उसने प्रण किया कि अब वो कभी भी काम से जी नहीं चुराएगा और एक कर्मठ, सजग और सक्रिय व्यक्ति बन कर दिखायेगा। मित्रों, जीवन में हर किसी को एक से बढ़कर एक अवसर मिलते हैं , पर कई लोग इन्हें बस अपने आलस्य के कारण गवां देते हैं. इसलिए मैं यही कहना चाहता हूँ कि यदि आप सफल, सुखी, भाग्यशाली, धनी अथवा महान बनना चाहते हैं तो आलस्य और दीर्घसूत्रता को त्यागकर, अपने अंदर विवेक, कष्टसाध्य श्रम,और सतत् जागरूकता जैसे गुणों को विकसित कीजिये और जब कभी आपके मन में किसी आवश्यक काम को टालने का विचार आये तो स्वयं से एक प्रश्न कीजिये - आज ही क्यों नहीं ?

मौत की इमारतें: कब थमेगा भ्रष्टाचार और लापरवाही का यह जानलेवा खेल ?

अशोक भाटिया

यह त्रासदी किसी एक शहर या एक खास इलाके की बानगी नहीं है, बल्कि आज पूरे भारत के महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों की यही कड़वी और डरावनी हकीकत है। यदि हम देश के अन्य हिस्सों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि मौत की इमारतों का यह जाल कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उससे सटे ठाणे, कल्याण तथा मुंब्रा जैसे इलाकों का उदाहरण हमारे सामने है, जहां हर साल मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मुंबई की पुरानी चालें और संकरी गलियों में खड़ी अवैध बहुमंजिला इमारतें दशकों से मौत का इंतजार कर रही हैं।

दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत का ताश के पत्तों की तरह ढह जाना और मलबे में दबकर छह बेगुनाह जिंदगियों का असमय खत्म हो जाना महज़ एक आकस्मिक हादसा नहीं है, बल्कि यह हमारे देश के महानगरीय विकास के खोखलेपन और प्रशासनिक तंत्र के सड़ चुके ढांचे की एक और खौफनाक बानगी है। हर ऐसे हादसे के बाद सरकारी अमला कुंभकर्णी नींद से जागता है, कुछ मुआवजे की घोषणाएं होती हैं, एक जांच समिति का गठन कर दिया जाता है, और कुछ दिनों बाद सब कुछ सामान्य मानकर फिर से उसी ढर्रे पर लौट आता है। लेकिन बुनियादी सवाल वहीं का वहीं खड़ा है कि आखिर कब तक देश के नागरिक चंद पैसों के भूखे बिल्डरों और भ्रष्ट अधिकारियों के इस जानलेवा गठजोड़ की वेदी पर अपनी जान की आहुति देते रहेंगे? आखिर कब तक हमारे शहरों में खड़ी अवैध और जर्जर इमारतें मौत की इमारतें बनकर मासूमों को निगलती रहेंगी? सत्य निकेतन की वह इमारत, जिसे नगर निगम के दस्तावेजों में केवल दो मंजिलों की अनुमति मिली थी, वह कैसे अधिकारियों की नाक के नीचे पांच मंजिला कंक्रीट का टावर बन गई और कैसे उसमें सैकड़ों छात्रों को भेड़-बकरियों की तरह पीजी के रूप में रहने के लिए झोंक दिया गया, यह अपने आप में एक बड़ा प्रशासनिक अपराध है।

यह त्रासदी किसी एक शहर या एक खास इलाके की बानगी नहीं है, बल्कि आज पूरे भारत के महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरों की यही कड़वी और डरावनी हकीकत है। यदि हम देश के अन्य हिस्सों पर नजर डालें, तो पाएंगे कि मौत की इमारतों का यह जाल कश्मीर से कन्याकुमारी तक फैला हुआ है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई और उससे सटे ठाणे, कल्याण तथा मुंब्रा जैसे इलाकों का उदाहरण हमारे सामने है, जहां हर साल मॉनसून की पहली बारिश के साथ ही इमारतों के गिरने का सिलसिला शुरू हो जाता है। मुंबई की पुरानी चालें और संकरी गलियों में खड़ी अवैध बहुमंजिला इमारतें दशकों से मौत का इंतजार कर रही हैं। वहां कानूनी पचड़ों, मकान मालिक और किराएदारों के विवादों और नगर निगम की ढीली कार्यप्रणाली के कारण सैकड़ों ऐसी इमारतें आज भी वैसी ही खड़ी हैं, जिन्हें बहुत पहले ही रहने के लिए असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। लोग अपनी जान हथेली पर रखकर वहां रहने को मजबूर हैं क्योंकि महानगर की बेतहाशा महंगाई ने उन्हें विकल्पहीन बना दिया है।

इसी तरह, देश के सबसे आधुनिक और हाई-टेक शहरों में शुमार किए जाने वाले दिल्ली-एनसीआर के गुरुग्राम और नोएडा जैसे इलाकों की स्थिति भी कोई बहुत बेहतर नहीं है। जहां एक तरफ गगनचुंबी सोसायटियां और शीशे की चमचमाती दीवारें प्रगति का ढोल पीटती हैं, वहीं दूसरी तरफ इनके भीतर का सच बेहद भयावह है। हाल के वर्षों में गुरुग्राम और नोएडा की कई पॉश सोसायटियों में निर्माण की बेहद घटिया गुणवत्ता के कारण कभी छतों के प्लास्टर गिर रहे हैं, तो कभी लिफ्ट शाफ्ट ढह रहे हैं, और कभी पूरी की पूरी बालकनी नीचे आ गिरती है। यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों के दफ्तरों से घिरे इन हाई-टेक शहरों में भी बिल्डर माफिया ने मुनाफाखोरी के चक्कर में इंसानी जान की कीमत को शून्य बना दिया है। रेरा जैसे कानूनों के आने के बावजूद, कागजी औपचारिकताओं को तो पूरा कर लिया जाता है, लेकिन धरातल पर जो कंक्रीट और लोहा इस्तेमाल हो रहा है, उसकी मजबूती पर हमेशा एक बड़ा सवालिया निशान लगा रहता है।

यदि हम दक्षिण भारत के प्रमुख तकनीकी केंद्र बेंगलुरु की बात करें, तो वहां का परिदृश्य और भी चिंताजनक है। बेंगलुरु जो कभी अपने बगीचों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता था, आज अनियंत्रित कंक्रीट के जंगल में तब्दील हो चुका है। वहां के कतिपय रिहायशी इलाकों में बिना किसी सॉयल टेस्टिंग (मिट्टी की जांच) के और बिना पर्याप्त पिलर या बेस फाउंडेशन के, रातों-रात चार से पांच मंजिला इमारतें खड़ी कर दी जाती हैं। दलदली जमीनों और सूखे तालाबों के कैचमेंट एरिया पर बनी ये अवैध इमारतें अक्सर जरा सी बारिश या मामूली भू-धंसाव के कारण एक तरफ झुक जाती हैं, जिन्हें बाद में प्रशासन को आनन-फानन में ढहाना पड़ता है। आईटी हब की इस चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधाधुंध और गैर-कानूनी निर्माण किसी भी दिन एक बहुत बड़ी त्रासदी को आमंत्रण दे रहा है।

पूरब की ओर रुख करें, तो कोलकाता और चेन्नई जैसे ऐतिहासिक महानगरों में समस्या का एक दूसरा पहलू सामने आता है। यहां विरासत और पुराने कानूनी विवादों के नाम पर दशकों, बल्कि सदियों पुरानी जर्जर इमारतें खड़ी हैं, जिनके मालिक या तो देश छोड़कर जा चुके हैं या फिर किराएदारों के साथ दशकों से कोर्ट कचहरी के चक्कर काट रहे हैं। इन इमारतों की मरम्मत कराने वाला कोई नहीं है, और नगर निगम इन्हें केवल खतरनाक का एक नोटिस चपकाकर अपनी जिम्मेदारी से इतिश्री कर लेता है। जब ये इमारतें ढहती हैं और इनके मलबे में दबकर गरीब मजदूर या फुटपाथ पर सोने वाले लोग मरते हैं, तो फाइलें बंद कर दी जाती हैं।

इस पूरे संकट के मूल में जो सबसे बड़ी समस्या है, वह है बिल्डर-माफिया, स्थानीय प्रशासन और पुलिस का वह अपवित्र और अटूट त्रिकोण, जो हर अवैध निर्माण को संरक्षण देता है। कोई भी अवैध इमारत रातों-रात या छिपकर नहीं बनती। कंक्रीट के मिक्सर ट्रक, लोहे की छड़ें और दर्जनों मजदूर दिन-दहाड़े सड़क पर काम करते हैं। स्थानीय बीट कांस्टेबल से लेकर नगर निगम के जूनियर इंजीनियर और क्षेत्रीय अधिकारियों तक, सबको इस बात की पूरी जानकारी होती है कि कहां और किस नियम को तोड़ा जा रहा है। लेकिन रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार की जो व्यवस्था हमारे सिस्टम में नीचे से ऊपर तक पैठी हुई है, वह इन अधिकारियों की आंखों पर पट्टी बांध देती है। जब तक इमारत बनकर खड़ी नहीं हो जाती और बिल्डर अपना मुनाफा कमाकर गायब नहीं हो जाता, तब तक प्रशासन मूकदर्शक बना रहता है। और जब कोई सत्य निकेतन जैसा हादसा होता है, तो सारा ठीकरा प्राकृतिक आपदा या केवल मकान मालिक के सिर फोड़कर असली गुनाहगार अधिकारी साफ बच निकलते हैं।

इस जानलेवा सिलसिले को रोकने के लिए अब केवल कागजी कार्रवाई या निलंबन के नाटक से काम नहीं चलने वाला है। हमें एक बेहद कड़े, पारदर्शी और जवाबदेह तंत्र की आवश्यकता है। सबसे पहले, देश के हर छोटे-बड़े शहर में तीस साल से अधिक पुरानी सभी इमारतों का एक अनिवार्य स्ट्रक्चरल ऑडिट होना चाहिए, और यह ऑडिट किसी स्वतंत्र और प्रतिष्ठित संस्था द्वारा किया जाना चाहिए न कि नगर निगम के भ्रष्ट इंजीनियरों द्वारा। जिन इमारतों का ढांचा कमजोर पाया जाए, उन्हें बिना किसी राजनीतिक या सामाजिक दबाव के तुरंत खाली कराया जाना चाहिए और उनके पुनर्वास की व्यवस्था की जानी चाहिए।

दूसरा और सबसे महत्वपूर्ण कदम यह होना चाहिए कि भविष्य में जब भी कोई अवैध इमारत गिरे, तो केवल मकान मालिक या बिल्डर पर ही मुकदमा दर्ज न हो, बल्कि उस इलाके के नगर निगम अधिकारी, इंजीनियर और पुलिस अधिकारियों को भी सह-आरोपी बनाया जाना चाहिए। जब तक इन सफेदपोश और वर्दीधारी गुनहगारों को जेल की सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाएगा और उनकी संपत्तियों को कुर्क नहीं किया जाएगा, तब तक कानून का खौफ पैदा नहीं होगा।

सेहत

ब्लड शुगर को नियंत्रित रखता है एलोवेरा

एलोवेरा (घृतकुमारी) का सेवन पाचन सुधारने, कब्ज दूर करने, इम्यूनिटी बढ़ाने, शरीर को डिटॉक्स करने और वजन घटाने में बहुत फायदेमंद है। यह पोषक तत्वों (विटामिन C, E, मिनरल्स) से भरपूर होता है, जो त्वचा में निखार लाने, सूजन कम करने और ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है।

एलोवेरा खाने/पीने के प्रमुख फायदे-

पाचन में सुधार- एलोवेरा जूस पेट में गैस, एसिडिटी, कब्ज और पेट फूलने की समस्या में राहत देता है।

इम्यूनिटी और कमजोरी- इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाते हैं और कमजोरी दूर करते हैं।

एलोवेरा जूस पीने के कई फायदे हैं, लेकिन खाली पेट इसका सेवन करने से शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने में मदद मिलती है। यह हमारे पाचन तंत्र को भी साफ करता है। इस प्रकार, एलोवेरा हमारे शरीर को प्राकृतिक रूप से विषमुक्त करने में मदद करता है ।

वजन प्रबंधन- सुबह खाली पेट एलोवेरा का रस पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है और एक्स्ट्रा फैट कम करने में मदद मिलती है।

त्वचा और बालों के लिए- यह शरीर को अंदर से हाइड्रेट करता है, जिससे त्वचा में प्राकृतिक चमक आती है, मुहांसे कम होते हैं और बाल स्वस्थ रहते हैं।

जोड़ों के दर्द में राहत- इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण जोड़ों के दर्द और अकड़न को कम करने में सहायक होते हैं।

डायबिटीज और हार्ट हेल्थ- यह ब्लड शुगर को नियंत्रित करने और कोलेस्ट्रॉल को कम करने में भी सहायक माना जाता है।

सेवन का तरीका-सुबह खाली पेट 15-30 मिलीलीटर ताजा एलोवेरा जेल या जूस को गुनगुने पानी के साथ लेना सबसे अच्छा माना जाता है।

सावधानी- गर्भवती महिलाओं और किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित लोगों को इसके सेवन से पहले डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

विश्व का मानचित्र बदलेगा, भारत की संप्रभुता नहीं

महेन्द्र तिवारी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में हाल ही में पारित नया विश्व मानचित्र प्रस्ताव केवल भूगोल के रेखांकन का विषय नहीं है, बल्कि यह इतिहास, राजनीति, शिक्षा और वैश्विक न्याय से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण और युगांतरकारी परिवर्तन है। इस ऐतिहासिक प्रस्ताव को मानचित्र सुधारने की एक विशेष पहल के अंतर्गत पारित किया गया है। इसका मूल उद्देश्य दुनिया के मानचित्रों में महाद्वीपों और देशों के वास्तविक क्षेत्रफल को अधिक सटीक, वैज्ञानिक और न्यायपूर्ण ढंग से प्रदर्शित करना है। भारत ने इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव का पुरजोर समर्थन करके यह स्पष्ट संकेत दिया है कि वह विश्व के अधिक संतुलित और यथार्थवादी प्रतिनिधित्व का प्रबल पक्षधर है। इसके साथ ही भारत ने अत्यंत दृढ़ता से वैश्विक मंच पर यह भी दोहरा दिया है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न अंग हैं। किसी भी अंतरराष्ट्रीय मानचित्र में इन क्षेत्रों का चित्रण पूर्ण रूप से भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुरूप ही होना चाहिए। इस प्रकार भारत ने एक ओर जहां वैश्विक सुधार का खुला समर्थन किया है, वहीं दूसरी ओर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता और अखंडता पर किसी भी प्रकार के समझौते की संभावना को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया है।

विश्व मानचित्र का यह विवाद कोई आज का नया विषय नहीं है। 16वीं शताब्दी में तैयार की गई मर्केटर प्रक्षेपण प्रणाली समुद्री नौवहन के लिए अत्यंत उपयोगी मानी जाती थी क्योंकि उसमें नाविकों के लिए दिशाओं का निर्धारण करना बहुत ही सरल हो जाता था। पृथ्वी जो कि एक गोल आकार की है, उसे एक समतल कागज पर उकेरने की इस विधा ने दिशाओं को तो सटीक रखा, किंतु उसी सुविधा की बहुत बड़ी कीमत यह चुकानी पड़ी कि ध्रुवों के निकट स्थित क्षेत्रों का आकार वास्तविकता से अत्यधिक बढ़ा हुआ दिखाई देने लगा। इसके परिणामस्वरूप यूरोप, उत्तरी अमेरिका और ग्रीनलैंड जैसे क्षेत्र वास्तविकता से कहीं अधिक विशाल प्रतीत होने लगे। इसके विपरीत भूमध्य रेखा के निकट स्थित अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र वास्तविकता से बहुत छोटे दिखाई देते हैं। आधुनिक भूगोल के जानकार लंबे समय से यह सशक्त तर्क देते रहे हैं कि शिक्षा और सामान्य ज्ञान के प्रसार के लिए ऐसे मानचित्र अधिक उपयुक्त होने चाहिए जो भूमि के वास्तविक क्षेत्रफल को सुरक्षित और सटीक रखें। इसी विचार ने समान क्षेत्रफल पर आधारित नई मानचित्र प्रणालियों को जन्म दिया है। इस नए प्रस्ताव को पारित कराने के पीछे अफ्रीकी देशों की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका रही है। अफ्रीकी देशों का यह प्रबल तर्क रहा है कि पारंपरिक मानचित्रों ने सदियों तक उनके महाद्वीप की वास्तविक विशालता को बहुत कम करके दिखाया है। इस भौगोलिक विकृति ने वैश्विक मानसिकता में भी एक गहरा असंतुलन पैदा किया, जिससे अवचेतन रूप में यह धारणा बन गई कि जो देश आकार में बड़े दिखते हैं वे अधिक महत्वपूर्ण हैं। यदि हम वास्तविक आंकड़ों की बात करें तो अफ्रीका पृथ्वी का दूसरा सबसे बड़ा महाद्वीप है। इसके बावजूद साधारण मानचित्रों में वह यूरोप और उत्तरी अमेरिका की तुलना में अपेक्षाकृत काफी छोटा दिखाई देता है। इस नए प्रस्ताव का उद्देश्य केवल कागज पर खींची गई रेखाओं को बदलना मात्र नहीं है, बल्कि दुनिया की भौगोलिक समझ को अधिक न्यायपूर्ण और समानता पर आधारित बनाना है। भारत द्वारा इस अफ्रीकी पहल का समर्थन किया जाना वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ उसकी लगातार बढ़ती रणनीतिक साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समान प्रतिनिधित्व के प्रति उसकी गहरी प्रतिबद्धता को भी स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इस पूरे कूटनीतिक घटनाक्रम में दो बिल्कुल अलग विषयों को समझना अत्यंत आवश्यक है। पहला विषय विशुद्ध रूप से भूगोल का है, जिसमें पृथ्वी के महाद्वीपों का वास्तविक आकार और उनकी सटीक वैज्ञानिक प्रस्तुति शामिल है। दूसरा विषय राजनीतिक मानचित्रण का है, जिसमें विभिन्न देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमाएं, विवादित क्षेत्र और राष्ट्रों की संप्रभुता का अत्यंत संवेदनशील मामला आता है। संयुक्त राष्ट्र का यह नया प्रस्ताव केवल पहले विषय अर्थात भौगोलिक सटीकता से संबंधित है। भारत ने भी इसी पहले विषय का समर्थन किया है, जबकि दूसरे विषय पर अपना अत्यंत अडिग और स्पष्ट रुख पूरी दुनिया के सामने दोहराया है। यही कारण है कि भारत के स्थायी मिशन ने प्रस्ताव का समर्थन करते हुए भी यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि इस कदम को राष्ट्रीय सीमाओं की किसी भी नई व्याख्या के रूप में कदापि नहीं देखा जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पारित यह प्रस्ताव किसी एक विशेष मानचित्र को पूरे विश्व के लिए अनिवार्य नहीं बनाता है। यह केवल समान क्षेत्रफल आधारित मानचित्र प्रणालियों के व्यापक उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए उठाया गया एक नीतिगत कदम है। इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि संयुक्त राष्ट्र ने किसी एक विशिष्ट मानचित्र को आधिकारिक विश्व मानचित्र घोषित कर दिया है।

भारत के कूटनीतिक रुख का सबसे सशक्त और महत्वपूर्ण पक्ष जम्मू कश्मीर और लद्दाख की भौगोलिक स्थिति से जुड़ा हुआ है। विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अत्यंत स्पष्ट और कठोर शब्दों में यह कहा है कि भारत का संपूर्ण संप्रभु क्षेत्र, जिसमें जम्मू कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश पूरी तरह से शामिल हैं, केवल और केवल भारत के अपने आधिकारिक मानचित्र के अनुसार ही प्रदर्शित किए जाने चाहिए। यदि किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था, वैश्विक प्रकाशन या किसी भी विदेशी मंच पर इन भारतीय क्षेत्रों का गलत, भ्रामक अथवा किसी अन्य देश के हिस्से के रूप में चित्रण किया जाता है, तो उसे भारत सरकार द्वारा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। भारत का यह आधिकारिक वक्तव्य कोई सामान्य कूटनीतिक औपचारिकता नहीं है। यह भारत की उस लंबे समय से चली आ रही स्थायी और सुदृढ़ नीति का पुनः उद्घोष है जो अपनी मिट्टी के एक कण पर भी विदेशी दावे को खारिज करती है। यह बयान इस बात का भी परिचायक है कि भारत भौगोलिक सुधारों के नाम पर अपनी राष्ट्रीय सीमाओं से कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगा। शिक्षा और बौद्धिक विकास के क्षेत्र में इस निर्णय के अत्यंत दूरगामी और सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। यदि दुनिया के विभिन्न देश स्वेच्छा से समान क्षेत्रफल पर आधारित मानचित्रों को अपनाना शुरू करते हैं, तो आने वाली युवा पीढ़ियां दुनिया को एक अधिक वैज्ञानिक, तथ्यपूर्ण और न्यायसंगत दृष्टि से समझ सकेंगी। विद्यालयों की पाठ्यपुस्तकों, विश्वविद्यालयों के भूगोल विभागों और बड़े शोध संस्थानों में ऐसे नए मानचित्रों का उपयोग महाद्वीपों के वास्तविक आकार और उनके परस्पर अनुपात को गहराई से समझने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। इससे छात्रों के मन में लंबे समय से बैठी यह भ्रामक धारणा भी हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी कि नक्शे में आकार में बड़ा दिखाई देने वाला क्षेत्र या देश अनिवार्य रूप से वास्तविकता में भी उतना ही बड़ा या शक्तिशाली है। यद्यपि समुद्री नौवहन और दिशा निर्धारण के लिए पारंपरिक प्रक्षेपण प्रणाली भविष्य में भी उपयोगी बनी रहेगी, फिर भी शिक्षा, सांख्यिकीय विश्लेषण, जलवायु परिवर्तन के अध्ययन और वैश्विक संसाधनों की तुलना जैसे गंभीर विषयों में समान क्षेत्रफल वाले मानचित्रों का महत्व लगातार बढ़ता ही जाएगा।

बेगमगंज–बरखेड़ी– विदिशा मार्ग तीन साल से बंद

अधूरी सड़क –पुल से अनेक गांवों के लोग परेशान

रायसेन (नि.प्र.) **सुल्तानगंज – बेगमगंज – हैदरगढ़ –विदिशा 46 किमी लंबा मार्ग निर्माण एजेंसी श्रीजी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. के ठेकेदार एवं एमपीआरडीसी के जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही की भेंट चढ़ गया है. सड़क का हस्तांतरण 20 जुलाई 2025 को होना था लेकिन 13 माह अधिक व्यतीत होने के बाद भी लापरवाह ठेकेदार ने काम पूरा नहीं किया.**

करीब 119 करोड़ की लागत से निर्मित हो रही सड़क की

कछुआ चाल ने दर्जनों गांवों का सड़क संपर्क तोड़ दिया है. अधूरी सड़क , निर्माणाधीन पुल , पुलिया एवं अप्रोच मार्ग आज भी अधूरे पड़े होने से यहां के ग्रामवासियों को बहुत लंबा चक्कर लगाकर बेगमगंज मुख्यालय पर आना – जाना पड़ता है. इस समय वर्षाकाल में सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है. जबकि ग्राम बेरखेड़ी पूर्वमंत्री व सांची विधायक डॉ. प्रभुराम चौधरी का गृह ग्राम होने के कारण वह भी कई बार एमपीआरडीसी के अधिकारियों को फटकार लगा चुके हैं लेकिन तीन साल में भी अब तक इतना छोटा पुल निर्माण नहीं हो सका है.

बेगमगंज –सुल्तानगंज सड़क और पुल –पुलियों सहित सड़क पूर्ण हो गई है लेकिन गुणवत्तापूर्णहीन होने के कारण अभी से सड़क में कई जगह से डामर उखड़कर गड्ढे हो गए एवं सीमेंट क्रांकीट वाली सड़क पर दरारें पड़ने लगी तो क्षेत्रीय विधायक देवेंद्र पटेल एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के तीखे विरोध के कारण उनकी मरम्मत करके खानापूर्ति कर दी गई है.

बेगमगंज सीमा से बेरखेड़ी बरामद गढ़ी से होते हुए माला , गोपालपुर , हैदरगढ़ से विदिशा हाईवे से जुड़ने वाला मार्ग ओर पुल –पुलिया आज भी अधूरे पड़े हैं. पिछले कई माह से काम बंद पड़ा है. बीना नदी ईदगाह घाट का पुल बनने से नगर के संकीर्ण मार्ग माला फाटक होकर आवागमन हो रहा था लेकिन वर्षा में ये मार्ग जलमग्न होने से बंद हो जाता है तो बहुत लंबा चक्कर मानपुर से होकर लगाकर आवागमन करना पड़ता है. बारिश के दौरान दो दिन तक इस क्षेत्र के गांव टापू बनकर पानी से चारों ओर से घिरे रहे. ऐसे में इमरजेंसी में मरीजों एवं प्रसूताओं की जान आफत में आ जाती है.

मप्र सड़क विकास निगम लि. के सहायक महाप्रबंधक राहुल कोरी का कहना है कि निर्माण एजेंसी श्रीजी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा.लि.को जल्दी काम पूरा कर सड़क हस्तांतरण करने के लिए नोटिस दिए गए थे. ताकि जल्दी काम पूरा कराया जा सके, लेकिन उनके काम निपटाने से पहले ही वर्षा ॠतु लग गई. वर्षा के बाद जल्दी ही गड्ढों एवं दरारों वाली सड़क को दोबारा बनवाया जाएगा और बेगमगंज से हैदरगढ़ तक की सड़क , बेरखेड़ी पुल एवं अन्य पुलिया के काम जल्दी पूरा कराया जाएगा.

लेन–देन के विवाद में दो युवकों ने डंडों से पीटा

युवक के जबड़े में आई गंभीर चोट, बांसिया गांव का मामला

रायसेन (नि.प्र.) **थाना क्षेत्र के बांसिया गांव में देर रात रुपये के लेन–देन को लेकर दो युवकों ने एक व्यक्ति पर डंडों से हमला कर दिया. हमले में पीड़ित के मुंह और जबड़े में गंभीर चोटें आई हैं.**

घायल को इलाज के लिए सांची सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है. थाने के प्रधान आरक्षक हेत सिंह मीणा के अनुसार बांसिया गांव निवासी रूप सिंह सहरिया (36) पिता सुखराम सहरिया रात लगभग 11 बजे किराना दुकान से सामान

लेकर घर लौट रहा था. रास्ते में सरकारी स्कूल के पास सप्पू सहरिया और अतुल सहरिया निवासी बांसिया ने पुराने रुपये के विवाद को लेकर रूप सिंह को घेर लिया और डंडों से मारपीट शुरू कर दी.

पीड़ित की आवाज सुनकर उसकी पत्नी सीमा बाई और मां तुलसा बाई मौके पर पहुंचीं. परिजनों को आता देख दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए. सलामतपुर पुलिस ने आरोपी सप्पू सहरिया और अतुल सहरिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 3/5 के तहत आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया है. थाना प्रभारी श्यामराज सिंह सोमवंशी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई व जांच कर रही है.

एक नजर में

कार की टक्कर से महिला का पैर फ्रैक्चर

रायसेन (नि.प्र.) बस स्टैंड से अपने घर श्याम नगर जा रही 50 वर्षीय गुड्डी बाई पति दयाचंद सेन को अदालत के पास तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी. हादसे में महिला सड़क पर गिरकर घायल हो गई और उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया. आसपास मौजूद लोगों ने घायल महिला को उपचार के लिए सिविल अस्पताल पहुंचाया. यहां चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया. पैर में गंभीर चोट और फ्रैक्चर होने के कारण चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें सागर रेफर कर दिया. परिजनों के अनुसार, गुड्डी बाई बस स्टैंड से अपने घर की ओर जा रही थीं. इसी दौरान अदालत के पास तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी. टक्कर इतनी तेज थी कि महिला को पैर में गंभीर चोट आई. स्थानीय लोगों ने शहर में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और प्रमुख स्थानों पर यातायात व्यवस्था बेहतर करने की जरूरत बताई है. वही पुलिस ने महिला के बयान दर्ज कर लिए और कार की पहचान की जा चुकी है.

सेवानिवृत्त शिक्षक राजेश कुमार पाण्डे को दी विदाई

रायसेन (नि.प्र.) शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुनहरा के व्याख्याता राजेश कुमार पाण्डे के सेवानिवृत्त होने पर विदाई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया. पाण्डे ने लगभग 42 वर्षों की दीर्घ, उत्कृष्ट एवं समर्पित शासकीय सेवा पूर्ण की. समारोह में बीईओ राजेंद्र श्रीवास्तव , व्यख्याता दीपक कटारे एवं सहकर्मियों, कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने उन्हें विदाई दी. उन्हें उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न अवसरों पर सम्मानित किया गया. वर्ष 2010 में उन्हें उत्कृष्ट शिक्षक के रूप में सम्मान प्राप्त हुआ. वर्ष 2011 में जनगणना कार्य में उत्कृष्ट योगदान तथा वर्ष 2023 में विधानसभा निर्वाचन कार्य में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए उन्हें जिला स्तर पर सम्मानित किया गया.

बेगमगंज में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही

रायसेन (नि.प्र.) सागर में हुई जहरीली शराब की घटना को दृष्टिगत रखते सागर की सीमा से लगे हुए बेगमगंज तहसील के ग्राम माडिया नाका, भैंसा, तुलसीपार, मोदकपुर, सुल्तानगंज एवं बेगमगंज में अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही की जाकर मौके से मदिरा जब्त कर मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क एवं च के

तहत कुल 07 प्रकरण कायम किये गएण 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया एवं 03 अज्ञात प्रकण कायम किए गए. सभी प्रकरणों में कुल 40 पाव विदेशी मदिरा, 30 पाव देशी मदिरा, 20 लीटर कच्ची शराब एवं 460 किलो महुआ लाहन बरामद किया गया. उक्त कार्यवाही में सहायक जिला आबकारी अधिकारी शहनाज कुरैशी, अपर्णा राव, आबकारी उपनिरीक्षक मुकेश श्रीवास्तव, रविंद्र अहिरवार, शैलेंद्र भील, सुनील कुमार मीणा, आबकारी मुख्य आरक्षक निजाम खान, आरक्षक प्रवीण अहिरवार, सत्यवान वर्मा एवं नगर सैनिक कार्यवाही में सम्मिलित रहे. ग्राम चान्दौड़ा थाना सुल्तानगंज में आबकारी स्टॉफ एवं थाना सुल्तानगंज के स्टॉफ के साथ तलाशी ली गई. मौके से कोई भी अवैध मदिरा बरामद नहीं हुई.

उमंग सत्र में गूंजा स्वस्थ किशोरावस्था का संदेश

टीबी–एचआईवी से बचाव को लेकर किया जागरूक

रायसेन (नि.प्र.) **राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम आरकेएसके एफपीएआई के अंतर्गत पीएमश्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उमंग सत्र का आयोजन किया गया.**

कार्यक्रम में किशोरियों को यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य तथा टीबी एवं एचआईवी जैसे महत्वपूर्ण स्वास्थ्य विषयों पर जागरूक किया गया.

सिविल अस्पताल उमंग

स्वास्थ्य केंद्र के किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता अमित शर्मा एवं आईसीटीसी लैब टेक्नीशियन अभिराज सिंह दांगी ने विद्यार्थियों को टीबी एवं एचआईवी के प्रमुख लक्षण, संक्रमण से बचाव के उपाय, आवश्यक सावधानियां तथा समय पर जांच एवं उपचार के महत्व की जानकारी दी. उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों से दूर रहकर सही एवं प्रमाणित जानकारी अपनाने के लिए प्रेरित किया. कार्यक्रम के दौरान जन–जागरूकता पोस्टर एवं प्रचार सामग्री वितरित की गई. इसके साथ ही विद्यालय परिसर से जागरूकता रैली निकालकर स्वस्थ किशोर – स्वस्थ समाज का संदेश दिया गया. रैली के माध्यम से टीबी एवं एचआईवी से बचाव, स्वास्थ्य के प्रति सजगता और जागरूकता का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया.

इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य दिनेश कुमार पटेल एवं उमंग प्रभारी विनोद कुमार जाटव सहित विद्यालय का स्टाफ एवं छात्राएं उपस्थित रहीं.

नगर परिषद अध्यक्ष ने किया नए कार्यालय भवन का निरीक्षण

इसी माह हो सकता है लोकार्पण, आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित तीन मंजिला भवन लगभग तैयार

रायसेन (नि.प्र.) **रेलवे स्टेशन मार्ग पर करीब दो करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित नगर परिषद के नवीन कार्यालय भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है. इसी माह भवन के लोकार्पण की संभावना जताई जा रही है.**

सोमवार को नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने पार्षदों एवं अधिकारियों के साथ नवनिर्मित भवन का निरीक्षण कर शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए. जानकारी के अनुसार नगर परिषद का यह नवीन भवन आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित तीन मंजिला भवन के रूप में तैयार किया गया है. इसमें नगर परिषद की विभिन्न शाखाओं के लिए अलग–अलग कक्ष, परिषद की बैठकों के लिए मीटिंग हॉल, अधिकारियों–कर्मचारियों के लिए व्यवस्थित कार्यालय कक्ष सहित अन्य सुविधाएं विकसित की गई हैं. भवन के निचले तल पर दुकानों का निर्माण भी कराया गया है. इसके अलावा पार्किंग व्यवस्था, महिला एवं पुरुषों के लिए पृथक प्रसाधन तथा लिफ्ट की सुविधा प्रस्तावित है. ऐतिहासिक नगरी सांची की पहचान को ध्यान में रखते हुए भवन के मुख्य द्वार को ऐतिहासिक कलाकृतियों से आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है. इससे नवीन कार्यालय भवन नगर की सुंदरता में भी इजाफा करेगा.

उल्लेखनीय है कि नगर परिषद का वर्तमान कार्यालय भवन लंबे समय से जर्जर अवस्था में पहुंच चुका है, जिसके चलते नवीन कार्यालय भवन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी. इसी उद्देश्य से तैयार किए गए इस भवन का निर्माण अब अंतिम चरण में है. निरीक्षण के दौरान नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू रेवाराम ने भवन के प्रत्येक कक्ष एवं हॉल का जायजा लिया तथा जहां भी कमियां दिखाई दीं,

उन्हें शीघ्र दूर करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए. इस अवसर पर पार्षद अमित जोशी, हितेश पाल, लेखापाल महिपत शर्मा, स्टोर प्रभारी हिमांचल ठाकुर, राजीव श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे. बताया जा रहा है कि इसी माह नवीन कार्यालय भवन का लोकार्पण कराया जा सकता है.

एनर्जी सेविंग में बदला आर्किटेक्चर का पैटर्न

घरों में सेंसर वाली सोलर लाइट का बढ़ा ट्रेंड

रायसेन (नि.प्र.) **ऊर्जा संरक्षण के प्रति लोगों की सोच तेजी से बदल रही है. अब लोग यह समझने लगे हैं कि ऊर्जा की बचत न केवल वर्तमान बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी आवश्यक है. इसी सोच के चलते नगर में सोलर ऊर्जा और ऊर्जा बचाने वाले आधुनिक उपकरणों का उपयोग लगातार बढ़ रहा है.**

नगर में बड़े शहरों की तर्ज पर घरों की छतों पर सोलर पैनल लगवाने का चलन तेजी से बढ़ा है. सरकारी सब्सिडी, आसान प्रक्रिया और बढ़ते बिजली बिलों से राहत पाने के उद्देश्य से लोग सौर ऊर्जा

को प्राथमिकता दे रहे हैं.

होम कंस्ट्रक्शन में स्मार्ट लाइट्स को मिल रही प्राथमिकता नए मकानों के निर्माण के दौरान अब सोलर लाइटिंग सिस्टम और स्मार्ट एलईडी लाइट्स की फिटिंग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. ऊर्जा संरक्षण के साथ–साथ ये स्मार्ट लाइट्स घरों की सुंदरता भी बढ़ा रही हैं. सेंसर आधारित सोलर लाइट्स रात होते ही स्वत: चालू हो जाती हैं, जिससे बिजली की अतिरिक्त खपत नहीं होती.

प्राकृतिक रोशनी पर बढ़ा फोकस– नगर में अब आर्किटेक्चर का स्वरूप भी बदल रहा है. लोग ऐसे घरों का निर्माण करा रहे हैं, जिनमें प्राकृतिक रोशनी और ताजी हवा का अधिकतम उपयोग हो सके. इसके लिए ओपन एरिया कंस्ट्रक्शन को प्राथमिकता दी जा रही है. साथ ही, सोलर लाइट्स के लिए अलग विद्युत लाइन भी बनाई जा रही है, ताकि रात होने पर लाइट्स स्वत: संचालित हो सकें.

ऊर्जा संरक्षण के लिए अपनाए जा रहे उपाय

- सर्दियों में वॉटर हीटर और रूम हीटर के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग.
- एलईडी एवं स्मार्ट बल्बों का बढ़ता इस्तेमाल.
- गार्डन और बाहरी क्षेत्रों में सोलर लाइट्स की स्थापना.
- प्राकृतिक रोशनी, हवा को ध्यान में रखकर घरों का निर्माण.

सोलर अपनाने के प्रमुख कारण

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत बैंक खाते में सीधे सब्सिडी का लाभ. हर माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली की सुविधा. पर्यावरण संरक्षण के साथ स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा का उपयोग. ऊर्जा संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते सिलवानी में सोलर ऊर्जा और स्मार्ट तकनीकों को अपनाने का दायरा लगातार बढ़ रहा है. आने वाले समय में यह बदलाव ऊर्जा बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा.

27 लीटर शराब बरामद, पांच आरोपी गिरफ्तार

रायसेन (नि.प्र.) अवैध शराब के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए देवरी पुलिस ने 24 घंटे तक सघन चेकिंग एवं धरपकड़ अभियान चलाया. पुलिस टीम ने क्षेत्र के अलग–अलग स्थानों पर दबिश देकर 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से कुल 27 लीटर अवैध शराब बरामद की.

पुलिस ने अवैध शराब के संभावित ठिकानों पर निगरानी बढ़ाते हुए मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया. सूचना मिलते ही पुलिस टीमों ने संबंधित स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई की. अभियान के दौरान पुलिस ने अलग–अलग स्थानों से पांच आरोपियों को पकड़ा. तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 27 लीटर अवैध शराब बरामद हुई. सभी मामलों में पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया. कार्रवाई देवरी थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह तोमर के नेतृत्व में गठित टीम ने की. टीम में प्रधान आरक्षक नरेंद्र सिंह रघुवंशी, प्रधान आरक्षक प्रताप सिंह राजपूत, महिला आरक्षक मनीषा भट्टी सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे.

मुशकाबाद रेलवे गेट पर लापरवाही की 'कीचड़'

तीन साल बाद भी अधूरा ओवरब्रिज निर्माण; हादसों का शिकार हो रहे राहगीर और स्कूली बच्चे

रायसेन (नि.प्र.) **रायसेन जिले के सांची विकासखंड अंतर्गत मुश्काबाद रेलवे गेट पर बन रहा बहुप्रतीक्षित ओवरब्रिज अब स्थानीय निवासियों और राहगीरों के लिए बड़ी आफत बन गया है.**

लगभग 10 से 12 गांवों के लोगों को रोजाना रेलवे फाटक बंद होने की समस्या से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से तीन वर्ष पूर्व इस ओवरब्रिज का निर्माण शुरू

किया गया था. हालांकि, तय समय–सीमा बीत जाने के बाद भी काम अधूरा पड़ा है. निर्माण एजेंसी और ठेकेदार की लापरवाही के कारण आज स्थिति यह हो चुकी है कि राहगीरों का निकलना तक दूभर हो गया है.

ओवरब्रिज निर्माण के दौरान किनारे से की गई खुदाई की मिट्टी को जिम्मेदार ठेकेदार ने सड़क किनारे ही बेतरतीब ढंग से छोड़ दिया.

हाल ही में हुई लगातार बारिश के कारण यह मिट्टी पूरी सड़क पर बहकर आ गई है, जिसने मुख्य मार्ग को एक गहरे दलदल में तब्दील कर दिया है. सड़क के दलदल में बदलने से सबसे बुरा असर मासूम स्कूली बच्चों, बीमार बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं पर पड़ रहा है. कीचड़ के कारण स्कूल वैन गांव तक नहीं पहुंच पा रही हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है. आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस और अन्य चार पहिया वाहन कीचड़ में फंस रहे हैं. क्षेत्रीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के उच्च अधिकारियों से मांग की है कि सड़क पर फैली मिट्टी को तुरंत साफ कराया जाए

जनता में आक्रोश – रेलवे द्वारा जो ओवरब्रिज का काम चल रहा है, वह तीन साल में भी पूरा नहीं हो पाया है. ठेकेदार ने साइड की मिट्टी खोदकर सड़क पर डाल दी, जिससे सड़क दलदल में बदल गई. मोटरसाइकिल व कार चालक सहित स्कूली बच्चे परेशान हैं. मैंने ठेकेदार को सूचना दी है, उन्होंने एक–दो दिन में समाधान की बात कही है.

– **रमेश कुमार,** सरपंच प्रतिनिधि

पतंजलि योग समिति का इंटीग्रेटेड योग शिविर आयोजित

रायसेन (नि.प्र.) **पतंजलि योग समिति के तत्वावधान में कम्युनिटी हॉल में नि:शुल्क इंटीग्रेटेड योग शिविर का आयोजन किया गया.**

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी देवी बाई जैन, योग प्रभारी एवं राज्य प्रभारी भगत सिंह योगाचार्य, महामंत्री लक्ष्मण विश्वकर्मा, कटनी जिला प्रभारी अभिलाष गौतम, सह राज्य प्रभारी (पतंजलि किसान सेवा समिति, मध्यप्रदेश) सुरेन्द्र आर्य तथा पूर्व तहसील प्रभारी रामगोपाल साहू ने दीप प्रज्ज्वलन एवं वेदमंत्रोच्चार के साथ किया. शिविर में योगाचार्य भगत सिंह ने साधकों को सूर्य

नमस्कार, यौगिक जॉगिंग, विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास कराया. राज्य प्रभारी भगत सिंह योगाचार्य ने मुख्य अतिथि देवी बाई जैन सहित नि:शुल्क योग कक्षाओं का संचालन करने वाले शिक्षकों एवं साधकों का चंदन, अक्षत, अंगवस्त्र एवं पुष्पहार से सम्मान किया. सम्मानित होने वालों में निरंजना जैन, संगीता जैन, गीता साहू, रामगोपाल साहू, कैलाश चौरसिया, संजीव जैन, डॉ. बलीराम विश्वकर्मा (ऊषापुर), ताराचंद जैन, प्रज्ञा सेवक जैन, सुनीलचंद जैन, शिब्बू सोनी तथा देवेन्द्र विश्वकर्मा सहित अनेक साधक शामिल रहे.

पर्यावरण संरक्षण | नगर परिषद ने की पर्यावरण संरक्षण की अपील

पीओपी की मूर्तियों के इस्तेमाल और विसर्जन पर रोक

रायसेन (नि.प्र.) **आगामी गणेशोत्सव को लेकर नगर परिषद सांची द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पहल करते हुए प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से निर्मित मूर्तियों के उपयोग पर रोक लगाने की अपील की गई है.**

नगर परिषद की ओर से जारी जागरूकता के माध्यम से नागरिकों से पीओपी की मूर्तियों के स्थान पर पर्यावरण अनुकूल मिट्टी की मूर्तियों को प्राथमिकता

देने का आग्रह किया गया है. पीओपी से बनी मूर्तियां जलस्त्रोतों में विसर्जित होने के बाद जल प्रदूषण के साथ–साथ मिट्टी की गुणवत्ता और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकती हैं. वहीं मिट्टी से निर्मित पर्यावरण अनुकूल मूर्तियां जल एवं मिट्टी के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित रहती हैं. नगर परिषद ने नागरिकों से मूर्ति विसर्जन के लिए निर्धारित स्थल एवं व्यवस्था का ही उपयोग करने तथा जलस्त्रोतों को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त रखने में सहयोग करने की अपील की है. पीओपी की मूर्तियों के निर्माण, विक्रय, भंडारण, उपयोग एवं विसर्जन पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की जानकारी भी दी गई है. नियमों के उल्लंघन पर 5 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाए जाने की बात कही गई है तथा अवैध निर्माण एवं विक्रय पर सामग्री जब्त कर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है. नगर परिषद ने नागरिकों से अपील की है कि आस्था के पर्व को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग करें और निर्धारित विसर्जन स्थल पर ही प्रतिमाओं का विसर्जन करें.

आस्था भी रहे, पर्यावरण भी सुरक्षित रहे—यही गणेशोत्सव का सच्चा संदेश है.

देशभर में अब E20 पेट्रोल (20% एथेनॉल मिला हुआ पेट्रोल) लागू हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर को इस फैसले के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। अब पेट्रोल पंपों पर सिर्फ E20 मिलेगा। सभी स्टेकहोल्डर्स से बात करके इस पूरे मसले पर उठने वाले सवालों के जवाब दे रहे इस लेख में...

E20 कितना फायदा कितना नुकसान

पेट्रोल के मुकाबले सस्ता क्यों नहीं ?

2020-21 में जब नीति आयोग ने रिपोर्ट बनाई थीं, तब एथनॉल पेट्रोल से सस्ता था, लेकिन अब इसकी औसत कीमत 71.32 रुपये प्रति लीटर हो गई है। सरकार का मानना है कि यह कदम किसानों की आमदनी बढ़ाने, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा में आत्मनिर्भरता लाने के लिए जरूरी है। तो ऐसे में पेट्रोल से सस्ता ई20 मिलना फिलहाल ती मुश्किल है लेकिन अगर इसकी सप्लाई बढ़ती है तो शायद कीमत कम हो।

इकनॉमी को फायदा

एथेनॉल एक ऐसा विकल्प हैं जो बिना किसी बड़े बदलाव के भारत को नेट-जीरो लक्ष्य की ओर ले जा सकता है। नीति आयोग के अध्ययन के अनुसार, अगर पेट्रोल की जगह गन्ने से बने एथनॉल का इस्तेमाल किया जाए तो ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 65% तक कम हो जाता है। मक्का (कॉर्न) आधारित एथनॉल से यह कमी 50% तक होती है। इससे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी मजबूत होती है। किसानों की आमदनी बढ़ी है। इसके अलावा ऑयल इंपोर्ट में कमी लाकर सरकार ने 1.44 लाख करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा भी बचाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक केवल इस साल (2025) ही किसानों को एथनॉल से करीब 40,000 करोड़ रुपए की भुगतान होगा और करीब 43,000 करोड़ रुपए का विदेशी मुद्रा बचत होगी।

इंजन पर असर न पड़ने का दावा पर मेंटेनेंस कॉस्ट बढ़ेगी

माइलेज और गाड़ी पर असर पड़ेगा, लेकिन कम

20 पर्सेंट एथेनॉल मिक्स वाले फ्यूल को लेकर आम लोग लगातार शिकायत कर रहे थे कि उनकी गाड़ियों का माइलेज ई20 फ्यूल इस्तेमाल करने के बाद काफी गिर गया है। हालांकि माइलेज हमेशा से ही कई फैक्टर्स पर निर्भर करता है। गाड़ी की मेंटेनेंस, ट्रैफिक कंडीशन लेकर ऑटोमोबाइल पेट्रोलियम इंडस्ट्री और टेस्टिंग एजेंसी ARAI के अधिकारियों ने तस्वीर साफ करने की कोशिश की है। SIAM के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर पी. के. बनर्जी ने कहा कि यह साफ है कि इस फ्यूल की प्रकृति के कारण माइलेज में मामूली गिरावट आती है, लेकिन इसके बदले देश, संपन्न, किसान, पर्यावरण और खजाने सभी को बहुत बड़ा फायदा होता है। कंस्यूमर्स की ओर से यह दावा किया जा रहा था कि ई20 से माइलेज 20-50% तक गिर रहा है। इसे खारिज करते हुए बनर्जी ने कहा, कि यह सब एक भ्रामक प्रचार है। टेस्ट में हमने पाया है कि गिरावट 2 से 4% तक ही है।

क्या ई20 फ्यूल से गाड़ी का इंजन खराब हो जाएगा? क्या मेरी गाड़ी की मेंटेनेंस बढ़ जाएगी? क्या मेरे गाड़ी के कई छोटे-बड़े पादर्स जल्दी खराब होने लगेंगे ? ऐसे कई सवाल लोगों के मन में उठ रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी लगातार लोग इन सवालों को उता रहे हैं और उनके जवाब जानने की भी कोशिश कर रहे है। अब इस मामले में भी सभी स्टेक होल्डर्स ने भी सफाई दी है। में माइलेज की तरह इस मामले भी उन्होंने माना है कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से गाड़ी पर असर पड़ सकता है लेकिन यह बेहद सीमित होगा और बेहद कम खर्च में इसे ठीक करवाया जा सकता है। बहुत पुरानी गाड़ियों में कुछ रबर पार्ट्स या गैसकेट जल्दी खराब हो सकते हैं, लेकिन यह सस्ती मरम्मत है जो सामान्य सर्विसिंग के दौरान ही हो सकती है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ARAI) के डायरेक्टर रेजी मैबाई ने बताया कि 2016 और 2021 में हुए दो अध्ययनों में कहीं भी कोई नकारात्मक असर सामने नहीं आया है। हालांकि कई इंडीपेंडेंट एक्सपर्ट्स का मानना है कि ई20 फ्यूल के लंबे समय तक इस्तेमाल से फ्यूल टैंक क्लीनिंग और इंजेक्टर क्लीनिंग जैसे कामों पर खर्च बढ़ सकता है। इसके अलावा ऑयल पंप और फ्यूल लाइन पर भी असर पड़ सकता है।

काम में ना लगे दिल तो हो सकते है क्वाइट क्रैकिंग के शिकार !

ऑफिस का नाम सुनते ही थकावट होने लगती है? हफ्ते के बीच में ही छुट्टी लेने की इच्छा होती है? और काम के बारे में सोच कर ही भौहें चढ़ जाती है, तो हो सकता है कि आप क्वाइट क्रैकिंग से जूझ रहे है। क्या है क्वाइट क्रैकिंग और कैसे हम पर ये असर डालती है, आइए जानते है।

इट क्रैकिंग एक ऐसी समस्या है, जो चुपके से आपके मन में घर करती है और एक दिन आप अचानक जागते हैं और पाते हैं कि आपका अपने काम से कोई लगाव नहीं रहा। क्या है 'क्वाइट क्रैकिंग' जिसका शिकार अनजाने में लाखों लोग हो रहे हैं, आइए जानते हैं।

क्या है क्वाइट क्रैकिंग ?

क्वाइट क्रैकिंग एक ऐसी स्थिति है, जिसमें कोई कर्मचारी ऑफिस में धीरे-धीरे अपने काम, प्रेरणा, और उद्देश्य से अलगाव महसूस करने लगता है। इसे आप एक कांच के गिलास में बनी छोटी-छोटी दरारों की तरह समझिए। यह दरारें पहले तो मामूली लगती है। जैसे एक दिन की थकावट, या काम में मन न लगना। लेकिन समय के साथ, ये दरारें फैलती हैं और किसी रोज गिलास ही चकनाचूर हो जाता है। एक हालिया रिपोर्ट इस बढ़ते संकट को उजागर करती है। पारंपरिक बर्नआउट, जो अचानक थकावट के रूप में सामने आता है, वहीं क्वाइट क्रैकिंग आपकी प्रेरणा, उद्देश्य और ऑफिस के प्रति आपका लगाव धीरे धीरे खत्म होने का अहसास कराती है। 2024 की गैलप स्टेट ऑफ द ग्लोबल वर्कप्लेस रिपोर्ट बताती है कि वैश्विक कर्मचारी लगाव का स्तर गिरकर मात्र 21% रह गया है। वहीं आर्थिक नुकसान भी कम नहीं, पिछले साल अकेले इस खामोश अकेलेपन ने 438 अरब अमेरिकी डॉलर की उत्पादकता को नष्ट कर दिया। लेकिन आंकड़ों से परे, असली त्रासदी उन लोगों की है जो चुपके से, बिना किसी को बताए, इस बोझ तले दब रहे हैं।

कैसे होते हैं इसके शिकार

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि क्वाइट क्रैकिंग इतना धीरे-धीरे होता है कि जब तक आपको इसका अहसास होता है, आप मानसिक रूप से अपनी नौकरी से पूरी तरह कट चुके होते हैं। इसके पीछे कई कारण हैं, और वे सभी वर्कप्लेस की गहरी समस्याओं की ओर इशारा करते हैं। खराब मैनेजमेंट या माइक्रो-मैनेजमेंट, जहां हर छोटे कदम पर निगरानी हो, विकास के अवसरों की नहीं देती, यह सभी उसके कारण बनते हैं। इसके साथ ही वह अहसास जब आपकी प्रशंसा नहीं की जाती है, जब कोई आपके योगदान को न सराहें। इससे धीरे-धीरे आपकी ऊर्जा, आपकी महत्वाकांक्षा, और आपका उत्साह खत्म होने लगता है। साधारण से काम पहाड़ जैसे लगने लगते हैं और करियर में आगे बढ़ने का सपना कमी, जो कर्मचारियों को भविष्य की कोई उम्मीद धुंधला पड़ जाता है।

खुद को टूटने से पहले रोकें

इस खामोश संकट से निपटने का पहला कदम है जागरुकता। एक्सपर्ट्स मानते है कि कंपनियों को चाहिए कि वे अपने कर्मचारियो में अलगाव के शुरुआती संकेतों को पकड़े, जैसे घटता आउटपुट, मीटिंग्स में चुप्पी, वह उत्साह जो पहले उनके काम में दिखता था. लेकिन अब नजर नहीं आता, ये सभी संकेत है। लेकिन जिम्मेदारी सिर्फ कंपनियों की नहीं, बल्कि कर्मचारियों को भी अपनी आवाज उठानी होगी।

Career Education

बीएसएससी ने जारी किया विज्ञापन सहायक प्रशाखा पदाधिकारी, योजना सहायक व अन्य पद खाली- 1481 पद

आवेदन की अंतिम तिथि- 19 सितंबर, 2025 आयु-सीमा न्यूनतम 21 वर्ष और अधिकतम 37, 40 व 42 वर्ष
यहां आवेदन करें
bssc.bihar.gov.in

आईएलबीएस में निकली भर्ती 171 पद

प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर आदि पदों पर मौके
आवेदन की अंतिम तिथि 20 सितंबर, 2025
वेतनमान पदानुसार रुपये 28,404 से लेकर रुपये 42,264 प्रतिमाह
यहां आवेदन करें
ilbs.in

एम्स, नागपुर में रोजगार के अवसर 116 पद

प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर व अन्य पदों पर संभावनाएं
आवेदन की अंतिम तिथि 29 सितंबर, 2025 वेतनमान रुपये 1,01,500 से रुपये 2,20,400 तक निर्धारित
यहां आवेदन करें
aiimsnagpur.edu.in

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल 339 पद

जूनियर इंजीनियर, फील्ड ऑफिसर आदि पदों पर मौके आवेदन की अंतिम तिथि- 23 सितंबर, 2025पात्रताएं- बीई, बीटेक, डिप्लोमा व अन्य निर्धारित योग्यताएं
यहां आवेदन करें- esb.mp.gov.in

इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में रिक्तियां 19 पद

बीपीएससी में नौकरी के लिए आवेदन आमंत्रित 35 पद सहायक नगर निवेशक के पदों पर रोजगार के अवसर
आवेदन की अंतिम तिथि 22 सितंबर, 2025
पात्रताएं यहां आवेदन करें-
bpsc.bihar.gov.in

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड 20 पद

ड्राइवर व राइडर-कम-प्रोसेस सर्वर के पदों पर संभावनाएं
आवेदन की अंतिम तिथि यहां आवेदन करें 24 सितंबर, 2025 आयु-सीमा न्यूनतम 18 वर्ष व अधिकतम उम्र 27 वर्ष निर्धारित
dsssb.delhi.gov.in

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री में नौकरियां

बढ़ती वैश्विक मांग व डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के चलते इस क्षेत्र को कॅरियर विकल्प के रूप में चुनने का यही सबसे सही समय है

हाल ही में, भारत ने रॉकेटों के लिए अपना हा पहला अंतरिक्ष-स्तरीय कंप्यूटर चिप बनाया है, जिसे विक्रम-32 कहा गया है। सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री आधुनिक तकनीक की रीढ़ है, फिर चाहे बात स्मार्टफोन की हो, लैपटॉप की, इलेक्ट्रिक वाहनों की या फिर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईओटी जैसे अत्याधुनिक सिस्टम की। डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया व इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन जैसी सरकारी योजनाओं के चलते यह क्षेत्र युवाओं के लिए अपार संभावनाएं लेकर आया है। एक रिपोर्ट के अनुसार यह उद्योग 2026 तक विभिन्न क्षेत्रों में अतिरिक्त 10 लाख नौकरियां पैदा करने की ओर अग्रसर है। तेजी से बढ़ती वैश्विक मांग और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के विस्तार के चलते आपके लिए यह सबसे उपयुक्त समय है कि आप इस क्षेत्र को कॅरिअर विकल्प के रूप में अपनाएं। यहां बताया जा रहा है कि आप इस सुनहरे अवसर का लाभकैसे उठाएं और इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए खुद को कैसे तैयार करें ?

सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को समझें

सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि सेमीकंडक्टर वास्तव में होते क्या हैं। यह उद्योग डिजाइन, फैब्रिकेशन, पैकेजिंग और टेस्टिंग जैसे चरणों में विभाजित होता है। साथ ही, चिप डिजाइनर व मैन्युफैक्चरर के बीच क्या अंतर है, कैड (सीएडी) और वीएलएसआई जैसे डिजाइन टूल्स कैसे काम करते हैं और फैब्रिकेशन लैब्स की क्या भूमिका होती है, इनकी समझ विकसित करें।

सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीएचडी तक

आप इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, कंप्यूटर साइंस, वीएलएसआई डिजाइन में बीटेक/बीई करने के बाद माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर भौतिकी, एंबेडेड सिस्टम में एमटेक/एमई कर सकते हैं। शोध के लिए पीएचडी का विकल्प भी है। आप वीएलएसआई डिजाइन, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग में डिप्लोमा कोर्स अथवा चिप डिजाइन, पीसीबी डिजाइन, एएसआईसी, एफपीजीए में सर्टिफिकेट कोर्स कर सकते हैं। एनपीटीईएल, स्किल इंडिया (apprenticeshipindia.gov.in) व स्वयं प्लेटफॉर्म (swayam.gov.in) सेमीकंडक्टर टेक्नीशियन व ऑपरेटर के लिए शॉर्ट टर्म कोर्स तथा अप्रेंटिस ट्रेनिंग

प्रमुख संस्थान

आईआईएससी, बंगलूरू
आईआईटी, कानपुर
प्रोग्राम की पेशकश करते हैं। आईआईटी व एनआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान छह महीने से लेकर एक साल तक के ऑनलाइन/ऑफलाइन एडवांस डिप्लोमा कोर्स चलाते हैं।

इंटर्नशिप और ट्रेनिंग

इसरो, डीआरडीओ, बीईएल व सेमीकंडक्टर लेबोरेटरी (एससीएल) जैसी संस्थाएं इंजीनियरिंग या समकक्ष पाठ्यक्रम के छात्रों को इंटर्नशिप और प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका देती हैं। इंटेल इंडिया, माइक्रोन, क्वालकॉम, आईआईटी/एनआईटी के इलेक्ट्रॉनिक्स लैब और सी-डैक, समीर, आईआईएससी, बंगलूरू जैसे संस्थान भी ऐसे ही कार्यक्रमों की पेशकश करते हैं।

जीसीएसपी ग्लोबल सिक्योरिटी इनोवेशन प्राइज

जिनेवा सेंटर फॉर सिक्योरिटी पॉलिसी (जीसीएसपी) द्वारा जीसीएसपी प्राइज फॉर इनोवेशन इन ग्लोबल सिक्योरिटी प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वैश्विक सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए नवीन, प्रभावशाली और रचनात्मक समाधानों को बढ़ावा देना है। यह पुरस्कार उन व्यक्तियों, टीमों और संगठनों को दिया जाता है, जिन्होंने वैश्विक स्तर पर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों के समाधान के लिए नवीन पहलों को ईजाद किया हो। प्रतिभागियों को अपने प्रोजेक्ट के बारे में अधिकतम 250 शब्दों का सारांश और 750 शब्दों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करना होगा, जिसमें परियोजना का उद्देश्य, प्रक्रिया, अनुमानित बजट, नवीनता तथा वैश्विक सुरक्षा पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव शामिल होना चाहिए। विजेता को 10,000 सीएचएफ (स्विस फ्रैंक) की राशि के साथ उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा, जबकि अन्य दो श्रेष्ठ आवेदनों को मान्यता प्रमाण-पत्र मिलेगा। प्रतिभागी आधिकारिक लिंक tinyurl.com/sdvwpn69 के माध्यम से 25 सितंबर, 2025 तक इसमें ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

मैक्स वेबर फेलोशिप प्रोग्राम-2025

यूरोपीय विश्वविद्यालय संस्थान (ईयूआई) ने मैक्स वेबर फेलोशिप-2025 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह प्रतिष्ठित फेलोशिप ऐसे छात्रों के लिए एक अनोखा अवसर है, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में अपनी पीएचडी डिग्री प्राप्त की हो। कार्यक्रम की अवधि 12 से 24 माह तक निर्धारित है, जिसके दौरान चयनित उम्मीदवारों को इटली के फ्लोरेंस क्षेत्र में ही निवास करना अनिवार्य होगा। फेलोशिप धारकों को प्रतिमाह 2,500 यूरो (लगभग 2,55,915 रुपये) की आकर्षक आर्थिक सहायता व अन्य लाभ भी प्रदान किए जाएंगे। आवेदन करने की अंतिम तारीख 15 अक्तूबर, 2025 तय की गई है। इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार फेलोशिप से जुड़ी अन्य अर्हताओं की जांच करते हुए आधिकारिक लिंक tinyurl.com/xy|mt7km पर जाकर इसमें ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

ओआईसीएल सहायक परीक्षा-2025

परीक्षा की तिथि- 07 सितंबर, 2025
इस परीक्षा में अंग्रेजी भाषा से 30 अंकों के 30 प्रश्न, तर्कशक्ति व संख्यात्मक क्षमता से 35-35 अंकों के 35-35 प्रश्न पूछे जाएंगे। इन प्रश्नों को हल करने के लिए अभ्यर्थियों को 60 मिनट का समय दिया जाएगा।
यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें
tin4url.com/41×atefh

बिहार पुलिस प्रवर्तन एसआई प्रारंभिक परीक्षा-2025

परीक्षा की तिथि- 07 सितंबर, 2025
इस परीक्षा में सामान्य ज्ञान एवं समसामयिक मुद्दों से संबंधित 200 अंकों के बहुविकल्पीय प्रकार के 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्नों को हल करने के लिए दो घंटे का समय दिया जाएगा।
यहां से प्रवेश-पत्र डाउनलोड करें
tinyurl.com/fhf32864

सही जवाब क्या है

1. दुख की नदी के नाम से मशहूर घग्गर नदी पंजाब के किस क्षेत्र में स्थित है?
(a) दोआबा
(b) माझा
(c) मालवा
(d) पुआध

2. स्पेन के भूमध्यसागरीय जल में नीले ड्रैगन की दुर्लभ उपस्थिति का कारण किसे माना जा रहा है?
(a) भूमध्य सागर का तेजी से गर्म होना
(b) शिकारियों का मछली पकड़ना
(c) भूमध्य सागर में तेल रिसाव
(d) महासागर का अम्लीकरण

3. वैश्विक शांति सूचकांक-2025 में भारत का कौन-सा स्थान है?
(a) 110वां
(b) 11वां
(c) 115वां
(d) 116वां

उत्तर-1.c. 2.a, 3.C

सामान्य ज्ञान

प्रतुश

क्या है

भविष्य का एक छोटा रेडियोमीटर, जिसे चंद्रमा की सबसे दूर स्थित कक्षा में तैनात किया जाएगा। यह हाइड्रोजन परमाणुओं से आने वाले मंद रेडियो संकेतों के जरिये कॉस्मिक डॉन के रहस्यों को सुलझाने में मदद करेगा।

खबरों में क्यों

बंगलूरू के रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) के वैज्ञानिक इसका निर्माण कर रहे हैं।

इसका पूरा नाम

इसका पूरा नाम प्रोबिंग रीआयनाइजेशन ऑफ द यूनिवर्स यूजिंग सिग्नल फ्रॉम हाइड्रोइजन (पीआरएटीयूएसएच) यानी हाइड्रोजन से सिग्नल का उपयोग करके ब्रह्मांड के पुनऑयनीकरण की जांच है।

क्रेडिट कार्ड जितना छोटा

इसमें इस्तेमाल किया गया कॉम्पैक्ट सिंगल-बोर्ड कंप्यूटर क्रेडिट कार्ड के आकर जितना छोटा है। यह चंद्र कक्षा में अपनी तरह का पहला अंतरिक्ष पेलोड भी है।

कॉस्मिक डॉन के बारे में

वह समय, जब ब्रह्मांड में पहली बार तारों और आकाशगंगाओं का निर्माण हुआ था।

शीतल देवी वर्ल्ड पैरा सीरीज फाइनल में पहुंचीं

भारत के लिए एक मेडल पक्का किया, सरिता ब्रॉन्ज के लिए खेलेंगी

नई दिल्ली। अहमदाबाद में चल रही वर्ल्ड पैरा तीरंदाजी सीरीज (स्टेज-3) के तीसरे दिन डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन शीतल देवी ने विमेंस कंपाउंड इंडिविजुअल के फाइनल में जगह बना ली है। इसके साथ ही उन्होंने कंपाउंड इवेंट में भारत के लिए एक मेडल पक्का कर लिया। सेमीफाइनल में उन्होंने भारत के ही सरिता को 145-143 से हराया। अब गोल्ड मेडल के मुकाबले में उनका सामना कजाकिस्तान की ऐजादा सेइदान से होगा। वहीं सरिता के पास ब्रॉन्ज जीतने का मौका है। वे चीन की वांग हुइटिंग के खिलाफ खेलेंगी।

विमेंस कंपाउंड के सेमीफाइनल में शीतल और सरिता आमने-सामने थीं। दोनों भारतीय तीरंदाजों के बीच मुकाबला काफी करीबी रहा। शीतल ने 145-143 के स्कोर से जीत दर्ज की और फाइनल में जगह बनाई।शीतल जम्मू की हैं और बिना हाथों के तीरंदाजी करती हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन होने के साथ वे इस मुकाबले में वर्ल्ड नंबर-1 भी हैं।

मेंस कंपाउंड में टॉमन कुमार सेमीफाइनल हारे

मेंस कंपाउंड में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और वर्ल्ड नंबर-1 टॉमन कुमार को सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के टॉप सीड केन स्वागुमिलांग ने 146-144 से हराया। अब टॉमन ब्रॉन्ज मेडल के लिए इराक के अब्बास काधिम से मुकाबला करेंगे। इससे पहले स्वागुमिलांग ने क्वार्टर फाइनल में एक और भारतीय गुरविंदर सिंह को 143-141 से हराकर बाहर किया था।

दलीप ट्रॉफी फाइनल में ईस्ट जोन 708 पर ऑलआउट

ईशान किशन ने 334 बॉल पर 270 रन बनाए, कुमार कुशाग्र की भी सेंचुरी

चेन्नई। कप्तान इशान किशन (270) और कुमार कुशाग्र (101) रन की शानदार पारियों के दम पर पूर्व क्षेत्र ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को पहली पारी में दक्षिण क्षेत्र के खिलाफ 708 रनों का विशाल स्कोर बनाकर मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।आज यहां पूर्व क्षेत्र ने कल के चार विकेट पर 385 रनों से आगे खेलना शुरु किया। पूर्व क्षेत्र का पांचवां विकेट कुमार कुशाग्र के रूप में गिरा। उन्हें त्रिपुराणा विजय ने आउट किया।कुशाग्र ने 132 गेंदों में आठ चौके और पांच छक्के उड़ाते हुए 101 रनों की पारी खेली।इसी दौरान इशान किशन ने अपना दूसरा प्रथम श्रेणी दोहरा शतक पूरा किया।वह चोट लगने के कारण रिटायर हर्ट हो गये थे। अनुकूल रॉय (45), कुनैन कुरैशी (40) और मोहम्मद शमी (28) रन बनाकर आउट हुये।कुरैशी और शमी को श्रेयस गोपाल ने आउट किया। अनुकूल रॉय शेख रशीद का शिकार बने। इशान किशन एक बार फिर से मैदान में उतरे।वह अपने तिहरे शतक की ओर बढ़ रहे थे कि इसी दौरान 163वें ओवर की दूसरी गेंद पर त्रिपुराणा विजय ने उन्हें आउट कर दिया।इशान किशन

ने 334 गेंदों में 30 चौके और सात छक्के उड़ाते हुए 270 रनों की विशाल पारी खेली।इसी ओवर की आखिरी गेंद पर विजय ने मुकेश कुमार (शून्य) को आउट कर पूर्व क्षेत्र की पारी का 708 रन पर अंत कर दिया। अम्पायरों ने इसी के साथ दूसरे दिन का खेल समाप्त होने की घोषणा कर दी।दक्षिण क्षेत्र की ओर से त्रिपुराणा विजय ने चार विकेट लिये। चामा मिलिंद और श्रेयस गोपाल को दो-दो विकेट मिले। शेख रशीद ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

टीम को आउट करने में रहे कामयाब

पहले दिन ईस्ट ज़ोन का दबदबा रहा और दूसरे दिन भी यही कहानी रही। ईशान किशन ने रात के अपने 111 रन से खेलना शुरू किया और उन्हें ज़्यादा परेशानी नहीं हुई, उन्होंने एक और प्रथम श्रेणी डबल सेंचुरी बनाई, फिर उन्होंने गियर बदला और 250 रन तक पहुँचे, इससे पहले कि थकान की वजह से उन्हें रिटायर हर्ट होना पड़ा। वह मोहम्मद शमी के आउट होने पर अपनी पारी फिर से शुरू करने के लिए वापस आए और दिन के आखिरी ओवर में 270 रन पर 9वें विकेट के तौर पर आउट हुए। कुमार कुशाग्र ने भी सेंचुरी बनाई और उन्होंने 101 रन बनाए, अपने कप्तान के साथ 5वें विकेट के लिए 230 रन जोड़े। निचले क्रम में योगदान ने दक्षिण क्षेत्र को निराश करना जारी रखा - यह साफ़ था कि गेंदबाजों ने हार मान ली और बस डिक्लेरेशन का इंतज़ार कर रहे थे। ऐसा नहीं हुआ, लेकिन वे विरोधी टीम को आउट करने में कामयाब रहे, हालाँकि इससे पहले विरोधी टीम ने 700 से ज़्यादा का स्कोर बनाया था। त्रिपुराना विजय के चार विकेट, लेकिन सपाट पिच पर, गेंदबाजों के पास कोई आइडिया नहीं था। साउथ ज़ोन के लिए अब इक्वेशन आसान है - बैट, बैट और बैट और अगले तीन दिनों में पूर्व क्षेत्र के 708 को पार करने की कोशिश करें।

पीसीबी ने इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार की जांच शुरु की

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान के खिलाड़ियों के अनुशासन और व्यवहार से जुड़े मामलों की जांच शुरू कर दी है। मीडिया डायरेक्टर आमिर मीर ने सोशल मीडिया पर कहा, पीसीबी ने अनुशासन और व्यवहार से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के बाद एक आंतरिक अनुशासनात्मक जांच शुरू की है, जिसकी अभी अंदरूनी तौर पर समीक्षा की जा रही है।पीसीबी ऐसे मामलों को अपनी मानक प्रक्रियाओं के तहत संभालता है। यह प्रक्रिया पीसीबी के नियमों के अनुसार की जा रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी संबंधित लोगों की बात पर उचित ध्यान दिया जाए। यह घटनाक्रम पुरुषों की राष्ट्रीय टीम में हुई बड़ी उथल-पुथल के बीच सामने आया है; यह टीम अभी इंग्लैंड के ख़िलाफ़ तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए बर्मिंघम में है।लॉर्ड्स में दूसरे टेस्ट में 194 रन से हारने के बाद पीसीबी ने टीम से सात खिलाड़ियों को हटा दिया, जिससे इंग्लैंड को सीरीज़ में 2-0 की अजेय बढ़त मिल गई। साथ ही, सरफराज अहमद और उमर गुल को - जो क्रमशः मुख्य कोच और गेंदबाजी कोच थे - सिर्फ़ छह मैचों के बाद ही उनकी ज़िम्मेदारियों से हटा दिया गया और अंतरिम कमान सफेद गेंदबाजी कोच माइक हेसन और एशले नोफ़के को सौंप दी गई। पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी ने पाकिस्तानी न्यूज़ नेटवर्क जियो से बात करते हुए संभावित जांच का संकेत दिया था।उन्होंने कहा था, हमने इसके [टीम के खराब प्रदर्शन] कारणों का पता लगाने के लिए चर्चा की है। इसमें प्रदर्शन के अलावा अन्य कारक भी शामिल हैं और हम इसकी तह तक जाएंगे। कोचिंग सेटअप में यह बदलाव टूरिंग सिलेक्शन कमेटी - जिसमें सरफराज और कप्तान बाबर आजम शामिल थे - और पीसीबी के हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और चार चयनकर्ताओं में से एक आकिब जावेद के बीच बातचीत में आई कमी के बाद हुआ।

खिलाड़ियों को अपनी योजना पर भरोसा बनाये रखना चाहिए : हरमनप्रीत

दुबई।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर चाहती हैं कि उनकी टीम लीग स्टेज के आत्मविश्वास को नॉकआउट राउंड में भी बरकरार रखे। उन्होंने ज़ोर दिया कि खिलाड़ियों को फ़िलहाल सामने मौजूद चुनौती पर ध्यान देना चाहिए और अपनी योजनाओं पर भरोसा बनाए रखना चाहिए। टूर्नामेंट के निर्णायक दौर में पहुँचने पर हरमनप्रीत ने कहा कि भारत बहुत आगे की नहीं सोच सकता और उसे एक बार में एक ही मैच पर ध्यान देना चाहिए। हरमनप्रीत ने सोमवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा साझा किये गये एक वीडियो में कहा, अगले दो मैच हमारे लिए बहुत अहम हैं। एक बार में एक मैच अगला मैच बहुत ज़रूरी है। उम्मीद है कि हम इस टूर्नामेंट में जैसा अच्छा प्रदर्शन करते आ रहे हैं, उसे जारी रखेंगे।मुझे लगता है कि अब मोमेंटम बहुत जरूरी है। खुद पर भरोसा करना, अपनी योजनाओं पर भरोसा और उसी तरह खेलना जैसे हमने लीग स्टेज के दौरान बल्लेबाजी और गेंदबाजी की है। इस कैंपेन के दौरान भारत को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों यूनिट्स से अच्छा योगदान मिला है, जिससे कप्तान को सेमीफ़ाइनल में ले जाने के लिए कई सकारात्मक बातें मिली हैं।हरमनप्रीत ने पहले मैच में शैफ़ाली वर्मा की आक्रामक पारी और दूसरे मैच में स्मृति मंधाना की सेंचुरी का खास ज़िक्र किया।

उन्होंने उन मौकों पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बॉलर्स की भी तारीफ़ की जब टीम को उनकी सबसे अधिक जरूरत थी। उन्होंने कहा, पहले मैच में शेफाली की बल्लेबाजी, जिस तरह से वह बॉल को हिट कर रही थी, और दूसरे मैच में स्मृति का शतक, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रही थी, वह देखने लायक था।

सिटसिपास को हराकर शेल्टन यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

न्यूयॉर्क। अमेरिका के आठवें वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बेन शेल्टन ने सीधे सेटों में यूनान के स्टेफानोस सिटसिपास को हराकर यूएस ओपन 2026 टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया। इस जीत के साथ ही पुरुषों के एकल चैंपियन के लिए 23 साल के लंबे इंतजार को खत्म करने की अमेरिकी उम्मीदें भी बरकरार हैं। आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार को खेले गये मैच में दूधिया रोशनी के बीच शेल्टन ने शानदार खेल दिखाया और दुनिया के पूर्व नंबर 3 खिलाड़ी यूनान के सिटसिपास को 6-2, 6-3, 6-4 से हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की।23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने शुरुआत से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा।उन्होंने अपनी ज़बरदस्त सर्विस और दमदार फोरहैंड का इस्तेमाल करते हुए सिटसिपास पर लगातार दबाव बनाए रखा।शेल्टन ने पहले सेट की शुरुआत में ही सिटसिपास की सर्विस तोड़ी और अपने प्रतिद्वंद्वी को संभलने का कोई मौका नहीं दिया, साथ ही शानदार अंदाज़ में मैच अपने नाम किया।सिटसिपास, जो शेल्टन की गति और आक्रामक खेल का सामना करने में संघर्ष करते दिखे, कोई ठोस जवाब नहीं ढूंढ पाए, जबकि अमेरिकी खिलाड़ी लगातार उनकी सर्विस पर हमला करते रहे और बेसलाइन से रैलियों पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। इस जीत के साथ शेल्टन अपने दूसरे यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं और अब उनका मुक़ाबला मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज़ से होगा।अल्काराज़ ने टॉमी पॉल को सीधे सेटों में हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई, जिसका मतलब है कि न्यूयॉर्क में अपने शानदार सफर को जारी रखने की कोशिश में शेल्टन का सामना अब टूर्नामेंट के प्रबल दावेदारों में से एक से होगा। शेल्टन की इस सफलता से पुरुषों के ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन के लिए देश के लंबे इंतज़ार को खत्म करने की अमेरिकी उम्मीदें भी मज़बूत हुई हैं।

केविन पीटरसन इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम के मेंटर बने

इसी महीने श्रीलंका सीरीज से जुड़ेंगे, वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक साथ रहेंगे

नई दिल्ली।

इंग्लैंड ने पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को पुरुष व्हाइट-बॉल टीम का स्पेशलिस्ट मेंटर नियुक्त किया है। वे साउथ अफ्रीका में अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में टीम के साथ काम करेंगे। पीटरसन इसी महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टी-20 इंटरनेशनल और वनडे सीरीज से ब्रेंडन मैकुलम की टीम के साथ जुड़ेंगे। कोचिंग टीम में मार्कस ट्रेस्कोथिक, टिम साउदी, जीतन पटेल और सारा टेलर भी शामिल हैं।पीटरसन ने टीम से जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा- 'मुझे बेहद गर्व है कि इस टीम के वर्ल्ड कप जीतने के सफर में मदद करने के लिए मुझे कहा गया है। 2014 के बाद पहली बार इंग्लैंड की जर्सी पहनना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और बेहद खास पल है।'इंग्लैंड व्हाइट बॉल के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा- 'मेरे मन में चक्क और क्रिकेट में उनकी उपलब्धियों के लिए बहुत सम्मान है। इंग्लिश क्रिकेट पर उनका बहुत बड़ा असर रहा है। उनके

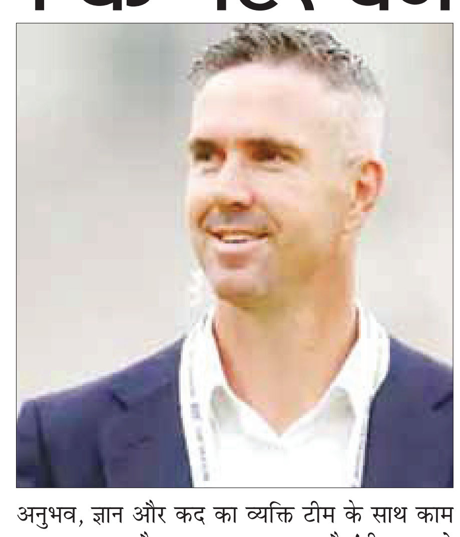

अनुभव, ज्ञान और कद का व्यक्ति टीम के साथ काम करना चाहता है, यह शानदार बात है।'पीटरसन ने लगभग 10 साल इंटरनेशनल क्रिकेट खेला। उन्होंने 104 टेस्ट मैचों में 8181 रन बनाए। वहीं 136 वनडे में 4440 और 37 टी-20 में 1176 रन बनाए। वे एशेज और टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली इंग्लैंड टीम का हिस्सा रह चुके हैं। पीटरसन ने 2025 इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के मेंटर के तौर पर भी काम किया था।

नाल्को ने अंगुल स्मेल्टर के विस्तार के लिए एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमीनियम के साथ किया समझौता

भुवनेश्वर। नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने अपने अंगुल स्मेल्टर के विस्तार के लिए सोमवार को एमिरेट्स ग्लोबल एल्युमिनियम (ईजीए) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किये।इस समझौते के तहत अंगुल में नाल्को के प्रस्तावित पांच लाख टन प्रति वर्ष क्षमता वाले स्मेल्टर विस्तार के लिए ईजीए की डीएक्स अल्ट्रा तकनीक का इस्तेमाल किया जायेगा।दोनों कंपनियों को बीच दुबई में इस संबंध में प्रौद्योगिकी लाइसेंसिंग समझौते पर हस्ताक्षर किये।ईजीए परियोजना के लिए नाल्को को तकनीकी लाइसेंस, तकनीकी जानकारी, डिजाइन और तकनीकी सहायता उपलब्ध करायेगा।उच्च-एम्पीयर वाली डीएक्स अल्ट्रा तकनीक को स्मेल्टिंग में उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता बढ़ाने के साथ-साथ पूंजीगत और परिचालन लागत को बेहतर ढंग से अनुकूलित करने के लिए विकसित किया गया है। इस विस्तार से नाल्को की एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता में पांच लाख टन प्रति वर्ष से बढ़कर 10 लाख टन प्रति वर्ष तक पहुंच जायेगी।

इंडिगो अक्टूबर में गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच शुरू करेगी उड़ान

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने 27 अक्टूबर से गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच सीधी उड़ान शुरू करने की घोषणा की है।इंडिगो की प्रेस विज्ञप्ति में सोमवार को कहा गया है कि पूर्वोत्तर से यह पहली अंतरराष्ट्रीय उड़ान होगी।इस नयी उड़ान के साथ एयरलाइंस भारत से थाईलैंड के लिए अपने नेटवर्क को और अधिक विस्तृत कर रही है। ग्राहक एयरलाइंस की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल ऐप और अधिकृत ट्रैवल पार्टनर्स के माध्यम

से टिकट बुक करा सकते हैं। इंडिगो वर्तमान में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई से बैंकॉक के लिए सीधी उड़ानें संचालित करती है।इसके अलावा, बेंगलुरु, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई से फुकेट तथा दिल्ली से क्राबी के लिए भी सीधी उड़ान सेवाएं उपलब्ध हैं।बैंकॉक से पहली उड़ान 27 अक्टूबर को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 8.50 बजे रवाना होगी और भारतीय समय के अनुसार सुबह 10.25 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी।वापसी की उड़ान शाम 6.15 बजे बैंकॉक के लिए रवाना होगी।

वहीं, 31 अक्टूबर से इसका परिचालन सप्ताह में दो दिन बुधवार और शनिवार को होगा। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गुवाहाटी और बैंकॉक के बीच सीधी उड़ानों की शुरुआत से छुट्टियां मनाने के लिए या व्यावसायिक कामकाज के लिए यात्रा करने के नये अवसर खुलेंगे।

देश में पहली बार पेट्रोल से ज्यादा बिके वैकल्पिक ईंधन वाले यात्री वाहन

नयी दिल्ली। यात्री वाहनों के खुदरा बाजार में अगस्त में पहली बार एक बड़ा बदलाव इस मायने में देखा गया कि पेट्रोल से अधिक बिक्री वैकल्पिक ईंधन वाले वाहनों की रही।वैकप्लिक ईंधन वाले वाहनों में सीएनजी, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन शामिल हैं।वाहन डीलरों के संगठन फाडा ने सोमवार को अगस्त महीने की खुदरा वाहनों की बिक्री के आंकड़े जारी किये।उसने बताया कि अगस्त माह में देश में कुल 24,23,201 वाहन बिके जो सालाना आधार पर 17.51 प्रतिशत अधिक है।साथ ही यह किसी भी साल अगस्त महीने में बिक्री का नया रिकॉर्ड है।उसने बताया कि यात्री वाहनों की कुल बिक्री 4,02,398 इकाई रही।यह अगस्त 2025 की तुलना में 16.14 प्रतिशत की वृद्धि है।खास बात यह रही कि इसमें वैकल्पिक ईंधनों की हिस्सेदारी बढ़कर 41.95 प्रतिशत पर पहुंच गयी जबकि पेट्रोल इंजन वाले वाहनों की हिस्सेदारी 40.85 प्रतिशत पर रही। दुपहिया की बिक्री 17,14,610 इकाई रही।

चीनी, गेहूं नरम, चावल एवं दालों के दाम बढ़े

खाद्य तेलों में घट-बढ़ जारी

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चीनी के दाम घट गये।चीनी के साथ गेहूं में भी नरमी रही।चावल और दालों में तेजी रही जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। मीठे के थोक बाजार में चीनी की औसत कीमत 78 रुपये घटकर 5,610 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गुड़ भी 27 रुपये की नरमी के साथ 5,984 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।खुदरा बाजार में चीनी की औसत कीमत 52 पैसे घटकर 61.09 रुपये प्रति किलोग्राम रह गयी। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 36 रुपये बढ़कर 4,157 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 13 रुपये सस्ता हुआ और 2,852 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे का भाव भी 16 रुपये उतर गया।दाल-दलहनों में तेजी रही। मसूर दाल की औसत कीमत 83 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल में 38 रुपये और चना दाल में 16 रुपये की तेजी रही। मूंग दाल 14 रुपये और उड़द दाल चार रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 50 रिंगिट चढ़कर 4,979 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया।

स्थानीय बाजार में आज मूंगफली तेल की औसत कीमत 190 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।सरसों तेल 83 रुपये और वनस्पति 44 रुपये महंगा हुआ।सोया तेल की कीमत 27 रुपये और पाम ऑयल की 15 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

मारुति सुजुकी की कारें 20,000 तक महंगी होंगी

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी गाड़ियों की कीमतें बढ़ाने का एलान किया है। कंपनी ने बताया कि सितंबर 2026 से अपनी चुनिंदा कार मॉडल्स के दाम 20,000 तक बढ़ाने जा रही है। मारुति ने मई के बाद चार महीनों में तीसरी बार दाम बढ़ाए हैं। कंपनी ने बताया कि गाड़ियों के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल की लागत और लगातार बढ़ती महंगाई के दबाव की वजह से यह कदम उठाना पड़ा है। हालांकि कंपनी ने अभी यह साफ नहीं किया है कि किस मॉडल पर कितने रुपए बढ़ाए जा रहे हैं। मारुति ने पिछले महीने ही 2.19 लाख गाड़ियां बेचने का रिकॉर्ड बनाया है।मारुति सुजुकी का कहना है कि गाड़ियों को बनाने में इस्तेमाल होने वाले सामान (जैसे स्टील, मेटल आदि) के दाम और महंगाई लगातार बढ़ रही है।

कच्चे तेल में तेजी से शेयर बाजारों में बिकवाली

प्रमुख सूचकांक डेढ़ महीने के निचले स्तर पर

मुंबई। कच्चे तेल में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक डेढ़ महीने के निचले स्तर पर बंद हुए।बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स गिरावट में खुला और पूरे दिन लाल निशान में रहा। एक समय यह 545 अंक टूटकर 75,971 अंक तक उतर गया था।अंत में पिछले कारोबारी दिवस के मुकाबले 382.62 अंक (0.50 प्रतिशत) नीचे 76,132.81 अंक पर रहा।नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 118.55 अंक यानी 0.50 प्रतिशत गिरकर 23,779.15 अंक पर बंद हुआ।यह दोनों प्रमुख

सूचकांकों का 24 जुलाई के बाद का निचला स्तर है।अमेरिका और ईरान में तनाव बढ़ने के अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में तेजी रही।लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा फिलहाल एक प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ 97.5 डॉलर प्रति बैरल के पास पहुंच गया। इससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव रहा।वृहत बाजार में भी अधिकतर सूचकांक लाल निशान में रहे।निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.42 प्रतिशत टूट गया जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक में 0.02 प्रतिशत की तेजी रही।सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर को छोड़कर अन्य सभी समूहों में बिकवाली हावी रही। आईटी सूचकांक 2.28 प्रतिशत और निफ्टी मीडिया 2.86 प्रतिशत टूट गया।रियल्टी और धातु सूचकांकों के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच गिरे।बैंकिंग, वित्त, तेल एवं गैस और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी बिकवाली रही।एनएसई में जिन 3,698 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,083 के शेयरों में गिरावट और 1,507 में तेजी रही।अन्य 108 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे।सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 23 के शेयर लाल निशान में रहे।

इंफोसिस का शेयर 3.81 प्रतिशत टूट गया। टेक महिंद्रा में 1.96 फीसदी, टाटा स्टील में 1.85, बजाज फिनसर्व में 1.57, अल्ट्राटेक सीमेंट में 1.41, टीसीएस में 1.28, ट्रेंट में 1.16, एशियन पेंट्स में 1.13, भारतीय स्टेट बैंक में 1.09, अडानी पोर्ट्स में 1.05, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 0.95 और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 0.93 प्रतिशत की गिरावट रही।

संक्षिप्त समाचार

गुना जिले में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

भोपाल नगर संवाददाता। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गुना जिले में विद्युत अधोसंरचना को सुदृढ़ करने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आरडीएसएस एवं एसएसटीडी योजना के तहत विभिन्न विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को बेहतर वोल्टेज एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। जिले में 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के 7 नवीन उपकेंद्रों का निर्माण पूर्ण किया गया है। इनमें टोडरा, बनेह, गेंहूखेड़ा, गिर्द, किलामपुर, मोहम्मदपुर, जोगीराना एवं भदौडी क्षेत्र शामिल हैं। इसके साथ ही 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के 2 अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर गेंहूखेड़ी एवं बडौद में स्थापित किए गए हैं। विद्युत प्रणाली की क्षमता एवं गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए 1500 केवीएआर क्षमता के 33 कैपेसिटर बैंक भी स्थापित किए गए हैं। एसएसटीडी योजना के अंतर्गत 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के 3 नवीन उपकेंद्र श्यामपुर (कोंतर), इंडस्ट्रियल एरिया गुना एवं धानबाडी में पूर्ण किए गए हैं। इसके अलावा 33/11 केवी के 5/3.15 एमवीए क्षमता के 7 अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर तथा 33/11 केवी के 10/8/5/3.15 एमवीए क्षमता के 9 पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि का कार्य भी पूर्ण किया गया है। विद्युत अधोसंरचना के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के फेज-1 में गुना जिले के लिए 61 महत्वपूर्ण कार्य अनुमोदित किए गए हैं। इनमें 33/11 केवी के 5 एमवीए क्षमता के 3 नवीन उपकेंद्र चाकरी, छिकारी एवं साडा में प्रस्तावित हैं। इसके साथ ही 14 स्थानों पर पावर ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, 20 स्थानों पर 33/11 केवी के 5/3.15 एमवीए क्षमता के अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मरों की स्थापना तथा 24 स्थानों पर 11 केवी कंडक्टर ऑगमेंटेशन के कार्य किए जाएंगे। इन कार्यों के माध्यम से गुना जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विद्युत नेटवर्क की क्षमता बढ़ेगी, ओवरलोडिंग की समस्या में कमी आएगी तथा उपभोक्ताओं को अधिक विश्वसनीय एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा जिले में बढ़ती विद्युत मांग को ध्यान में रखते हुए विद्युत अधोसंरचना के निरंतर विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

साक्षरता से सशक्त हो रहा मध्यप्रदेश, लिख रहा विकास की नई इबारत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा असाक्षरों को साक्षर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, जिसका परिणाम है कि विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में साक्षरता अभियान ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश में संचालित विभिन्न साक्षरता कार्यक्रमों से अब तक 1 करोड़ 63 लाख 4 हजार 132 शिक्षार्थी जुड़े हैं। इनमें से 1 करोड़ 38 लाख 90 हजार 550 शिक्षार्थियों ने सफलता हासिल की है। साक्षरता का यह अभियान अब केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझने, शासकीय योजनाओं का लाभ लेने और आत्मनिर्भर बनने के लिए सक्षम बना रहा है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र हरजिंदर सिंह ने बताया कि वर्ष 2011 की जनगणना में प्रदेश में करीब 1 करोड़ 89 लाख 65 हजार 583 असाक्षर व्यक्ति चिन्हित किए गए थे। निरंतर संचालित साक्षरता कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप वर्तमान में यह संख्या घटकर लगभग 50 लाख 75 हजार 33 रह गई है। प्रदेश में साक्षरता को जन-अभियान का स्वरूप देते हुए विभिन्न चरणों में कार्यक्रम संचालित किए गए, जिनसे बड़ी संख्या में वयस्क शिक्षा की मुख्यधारा से जुड़े हैं।

मप्र में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय पहल : अहिरवार

भोपाल। मध्यप्रदेश में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में कई उल्लेखनीय पहल की है। इंदौर में स्वच्छता, सतत् अपशिष्ट प्रबंधन और कार्बन क्रेडिट जैसी पहलों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व स्थापित किया है। राज्य में लगभग 7.6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य मंत्री वन एवं पर्यावरण दिलीप सिंह अहिरवार ने भोपाल स्वच्छ वायु दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश में गैर CO2 उत्सर्जन में कमी के मार्ग-एक बहु क्षेत्रीय आंकलन रिपोर्ट के कार्यक्रम विमोचन के अवसर पर कहीं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ परिवहन, इलेक्ट्रिक वाहन नीति, नवकरणीय ऊर्जा और हरित शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में भी मध्यप्रदेश लगातार आगे बढ़ रहा है। हमारा राज्य जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना तथा इलेक्ट्रिक वाहन एवं नवकरणीय ऊर्जा से संबंधित नीतियों में हमे एक मजबूत आधार प्रदान करती है। राज्य मंत्री अहिरवार ने कहा कि आज हम सभी मध्यप्रदेश के लिये एक स्वच्छ, स्वस्थ और जलवायु अनुकूल भविष्य पर सामूहिक विचार करने के लिये एकत्रित हुए है। स्वच्छ वायु दिवस को मनाने का उद्देश्य वायु प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर पढ़ने वाले बूरे प्रभावों के प्रति लोगों को सचेत करना है।

उप मुख्यमंत्री ने अवैध शराब प्रभावितों की स्वास्थ्य सुविधाओं एवं कारवाई की समीक्षा की

लापरवाही करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : शुक्ल

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। बंडा क्षेत्र में अवैध शराब सेवन से प्रभावित मरीजों के मामले में उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने बुन्देलखंड मेडिकल कॉलेज सागर के कॉन्फ्रेंस हॉल में प्रभावितों को दी जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं एवं पुलिस-प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि जिले में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्णत: रोक लगाई जाए। सभी शराब दुकानों की जांच, उनके स्टॉक की निगरानी और अवैध कारोबार की गहन जांच की जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले एवं जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पूरे प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं और लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को जिला पुलिस प्रशासन में कसावट और नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी रूप से चलाने के निर्देश दिए। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने बताया कि अवैध शराब से प्रभावित कुल 84 मरीज वर्तमान में उपचाररत हैं, जिनमें 59 मरीज बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में, 17 मरीज जिला चिकित्सालय में, 7 मरीज बंडा सिविल हॉस्पिटल में भर्ती हैं, जबकि 1 गंभीर मरीज को एयरलिफ्ट कर एम्स भोपाल भेजा गया है। अधिकांश मरीजों की हालत अब स्थिर है और सभी के लिए आवश्यक दवाएं, डायलिसिस और जांच की सुविधाएं प्राथमिकता पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। अवैध शराब के स्रोत की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह शराब बाहर से बनकर सप्लाई हुई है, जिसमें मेथेनॉल की मिलावट पाई गई है।

पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया ने बताया कि प्रकरण मे थाना बण्डा मे पंजीबद्ध किया गया है। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता तथा मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 के विभिन्न प्रावधानों के तहत 20 आरोपियों के विरूद्ध नामजद अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई है जिन पर अवैध लाभ के उद्देश्य से संदिग्ध नकली एवं अवैध शराब के निर्माण, सप्लाई एवं बिक्री से जुड़े होने के संबंध में आरोप हैं। इसके अतिरिक्त थाना विनायका मे भी 10 आरोपियों के विरूद्ध नामजद प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तत्काल विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है।

बीएमसी में मरीजों का जाना हाल और परिजनों को बंधाया ढाढ़स

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को पीड़ितों के स्वास्थ्य की जानकारी के लिए सागर स्थित बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचे। शुक्ल ने बीएमसी के आईसीयू और क्रिटिकल केयर वार्डों में भर्ती उपचाररत मरीजों के पास पहुंचकर उनसे बातचीत की और उनके स्वास्थ्य की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने वहां मौजूद मरीजों के परिजनों से भी चर्चा की, उनका ढाढ़स बंधाया और आश्वस्त किया कि राज्य सरकार इस कठिन घड़ी में पूरी तरह से उनके साथ खड़ी है। पीड़ितों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाशत नहीं की जाएगी। सभी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सर्वोत्तम संभव इलाज मुहैया कराया जाए। आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम 24 घंटे तैनात रहे और दवाओं व संसाधनों की कोई कमी न होने दी जाए। निरीक्षण के दौरान सागर विधायक शैलेंद्र जैन, बंडा विधायक वीरेंद्र सिंह कमिश्नर अनिल सुचारी, डीआईजी शशीन्द्र चौहान, कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल, पुलिस अधीक्षक अनुराग सुजानिया, बीएमसी के प्रभारी डीन डॉ गंगवानी, इमरजेंसी मेडिसिन से डॉ सौरभ जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

जनसंपर्क, मीडिया एवं सामाजिक क्षेत्र में दिया उल्लेखनीय योगदान

ताहिर अली 'विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। जनसंपर्क एवं मीडिया के क्षेत्र में अपने दीर्घ अनुभव और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त संयुक्त संचालक एवं वर्तमान में उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के मीडिया सलाहकार के रूप में सेवाएं दे रहे ताहिर अली को प्रतिष्ठित 13वें 'विनय उजाला राष्ट्रीय गौरव सम्मान-2026' से सम्मानित किया गया।

इंदौर में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में प्रसिद्ध अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे ने ताहिर अली को सम्मान एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विशिष्ट हस्तियों को समारोह में सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि ताहिर अली ने अपने संवर्ग के क्षेत्र विशेष में दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के साथ शिक्षा, समाजसेवा एवं अन्य सामाजिक क्षेत्रों में भी उत्कृष्ट योगदान दिया है। उनकी कर्मनिष्ठा, सेवाभाव और दायित्व-बोध को अनुकरणीय एवं प्रशंसनीय बताते हुए उनके योगदान की सराहना की गई।

जनसंपर्क क्षेत्र में लंबा अनुभव

ताहिर अली ने जनसंपर्क विभाग में अपने दीर्घ सेवाकाल के दौरान सरकार और मीडिया के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करने तथा शासन की नीतियों, योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों को आमजन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जनसंपर्क एवं मीडिया प्रबंधन के क्षेत्र में उनके लंबे अनुभव और कार्यशैली को व्यापक रूप से सराहा गया है। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे मीडिया सलाहकार के रूप में अपने अनुभव का उपयोग करते हुए सकारात्मक एवं प्रभावी संचार, मीडिया समन्वय और जनहितकारी सूचनाओं के व्यापक प्रसार में योगदान दे रहे हैं।

सम्मान गौरव का विषय

ताहिर अली ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि जनसंपर्क केवल सूचना के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं, बल्कि शासन और समाज के बीच विश्वास का सेतु है। उन्होंने अपने सेवाकाल में मिले सहयोग और मार्गदर्शन के लिए सभी सहकर्मियों एवं शुभचिंतकों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही विनय उजाला की पूरी टीम को सादर धन्यवाद, आप लोगों ने बड़ी आत्मीयता के साथ सभी को सम्मानित किया।

यात्री परिवहन विजन समिट-2026... तय होगी मोबिलिटी की नई दिशा, 8 सत्रों में होगा मंथन

भोपाल। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में 11 एवं 12 सितंबर को आयोजित होने वाली यात्री परिवहन विजन समिट-2026 में मध्यप्रदेश में यात्री परिवहन को अधिक सुगम, सुरक्षित, स्मार्ट और प्रदूषणरहित बनाने की दिशा में वृहद स्तर पर मंथन किया जाएगा। दो दिवसीय समिट में विशेषज्ञों, बस ऑपरेटरों, उद्यमियों और नीति-निर्माताओं के बीच संवाद होगा। 8 सत्रों के माध्यम से यात्री परिवहन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। समिट में मुख्यमंत्री सुगम यात्री परिवहन सेवा अंतर्गत मध्यप्रदेश मोबिलिटी विजन-2030 को केंद्र में रखते हुए सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से निवेश को बढ़ावा देने, रोजगार एवं उद्यमिता सृजन के लिए केंद्र सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा होगी।

शिक्षा में प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम की समयबद्धता जरूरी : मंत्री परमार

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि प्रवेश, पढ़ाई, परीक्षा और परिणाम में समयबद्धता शिक्षा व्यवस्था की गुणवत्ता की मूल आवश्यकता है।

समय पर प्रवेश, नियमित अध्ययन-अध्यापन, निर्धारित समय पर परीक्षा एवं परिणाम तथा अकादमिक कैलेंडर का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित किए बिना विद्यार्थियों का समग्र एवं न्यायसंगत मूल्यांकन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए इस सत्र से 'सार्थक ऐप' के माध्यम से उनकी उपस्थिति दर्ज की जाएगी। मंत्री परमार ने भोपाल स्थित एलएनसीटी विश्वविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में परीक्षा संचालन एवं मूल्यांकन : राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 केवल शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन का दस्तावेज नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान, जीवन-मूल्यों और दृष्टिकोण के अनुरूप विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास का राष्ट्रीय संकल्प है।

पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया, भोपाल चैप्टर का आयोजन

आईपीएस स्व. विजय रमन पर आधारित पुस्तक 'खाकी वर्दी का योद्धा' का विमोचन 12 को

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया (PRSI), भोपाल, मध्यप्रदेश द्वारा वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी स्व. विजय रमन के जीवन, कार्यशैली, साहस और पुलिस सेवा के अनुभवों पर आधारित पुस्तक 'खाकी वर्दी का योद्धा' का विमोचन समारोह आयोजित किया जा रहा है।

पुस्तक का प्रकाशन प्रभात प्रकाशन द्वारा किया गया है। पुस्तक विमोचन समारोह 12 सितंबर 2026 को शाम 3:30 बजे दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय, भोपाल में आयोजित होगा। पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी ने बताया कि समारोह में प्रमुख अतिथि मध्यप्रदेश के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस कैलाश मकवाना होंगे। कार्यक्रम में स्व. विजय रमन की पत्नी वीना रमन तथा वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक गिरिजा शंकर विशेष अतिथि होंगे। स्व. विजय रमन मध्यप्रदेश कैडर के चर्चित आईपीएस अधिकारियों में शामिल रहे। भारतीय पुलिसिंग में उनकी पहचान साहस, नेतृत्व क्षमता, बुद्धिमत्ता और चुनौतीपूर्ण अभियानों के लिए रही। चंबल क्षेत्र में कुख्यात डाकू पान सिंह तोमर और उसके गिरोह के सफाए के लिए चलाए गए अभियान में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। इसके अलावा उन्होंने कुख्यात आतंकवादी गाज़ी बाबा को मार गिराने वाले अभियान का भी नेतृत्व किया। केरल में पले-बढ़े विजय रमन ने वडोदरा स्थित एम.एस. विश्वविद्यालय से विधि की शिक्षा प्राप्त की और स्वर्ण पदक हासिल किया।

पुस्तक में जीवन के विभिन्न पहलुओं का समावेश

पुलिस सेवा के साथ उन्हें रोमांचक अभियानों और यात्राओं के प्रति भी विशेष रुचि थी। उन्होंने कार से विश्व की परिक्रमा कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। 'खाकी वर्दी का योद्धा' में स्व. विजय रमन के जीवन के इन्हीं विभिन्न पहलुओं पुलिस सेवा के चुनौतीपूर्ण अनुभवों, साहसिक अभियानों, नेतृत्व क्षमता, व्यक्तिगत जीवन और कानून के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को केंद्र में रखा गया है। पुस्तक उनके व्यक्तित्व और कार्यों को समझने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। स्व. विजय रमन की बहादुरी, बुद्धिमत्ता और रोमांच के प्रति उनकी रुचि के बावजूद कानून और कर्तव्य के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सदैव सर्वोपरि रही। वे जटिल से जटिल परिस्थितियों में भी कानून के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रतिबद्ध रहे। वर्ष 2023 में उनके निधन के बाद यह पुस्तक उनके जीवन और योगदान को स्मरण करने तथा नई पीढ़ी तक उनकी प्रेरणादायी यात्रा पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। पीआरएसआई भोपाल द्वारा आयोजित यह पुस्तक विमोचन समारोह पत्रकारिता, पुलिसिंग और जनसंपर्क जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है। समारोह में स्व. विजय रमन के जीवन और कार्यों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा

डॉक्टर्स ने हमीदिया अस्पताल में किया हंगामा

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर सीएम हाउस घेरने निकले इंटर्न डॉक्टर

पुलिस ने परिसर में घेरा

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। राजधानी के हमीदिया अस्पताल परिसर में सोमवार को उस समय भारी तनाव की स्थिति बन गई, जब अपनी स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर करीब 2 हजार इंटर्न डॉक्टरों ने मुख्यमंत्री निवास की ओर मार्च निकालने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने वाटर कैनन और भारी पुलिस बल की मदद से डॉक्टरों को अस्पताल परिसर के अंदर ही बैरिकेडिंग कर रोक दिया।

30,000 करने की मांग

वर्तमान में मध्य प्रदेश के शासकीय इंटर्न डॉक्टरों को 14,337 प्रतिमाह स्टाइपेंड मिल रहा है, जिसे बढ़ाकर 30,000 प्रतिमाह करने की मांग की जा रही है। इंटर्न डॉक्टरों का कहना है कि करीब डेढ़ महीने पहले शासन की ओर से 1 महीने में स्टाइपेंड बढ़ाने का मौखिक आश्वासन दिया गया था, लेकिन समय बीत जाने के बाद भी अब तक कोई लिखित आदेश जारी नहीं किया गया।

पुलिस छावनी में बदला अस्पताल

अस्पताल के गेट नंबर-1 से जैसे ही डॉक्टरों का शांतिपूर्ण मार्च शुरू हुआ, पुलिस ने परिसर के चारों ओर घेराबंदी कर दी। मौके पर रिजर्व पुलिस बल, वाटर कैनन और एसडीएम समेत कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी तैनात रहे। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने सुरक्षा के नाम पर अस्पताल का इमरजेंसी गेट तक ब्लॉक कर दिया, जिससे मरीजों को भी असुविधा हुई। प्रदर्शन में शामिल इंटर्न डॉक्टर मोहित मिश्रा ने बताया, 'उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में स्टाइपेंड बढ़ते ही मध्य प्रदेश में भी इसे बढ़ा दिया जाएगा। अब यूपी में स्टाइपेंड 25,000 करने का लिखित आदेश जारी हो चुका है, तो एमपी में देरी क्यों हो रही है।' डॉक्टरों ने साफ कर दिया है कि प्रदेश के लगभग 3,600 इंटर्न डॉक्टर इस मांग के साथ खड़े हैं। जब तक मुख्यमंत्री खुद आकर या शासन स्तर पर स्टाइपेंड वृद्धि का आधिकारिक लिखित आदेश जारी नहीं किया जाता, तब तक वे हमीदिया अस्पताल परिसर में ही शांतिपूर्ण धरने पर बैठे रहेंगे।

भोपाल में 'सेवा से संकल्प अभियान' की तैयारियां तेज

बैरसिया में 11 को लगेगा जन-कल्याण शिविर

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार भोपाल जिले में प्रशासनिक गतिविधियों और जन-समस्याओं के निराकरण को लेकर जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की समीक्षा बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा से संकल्प अभियान' की सभी तैयारियां माइक्रो स्तर पर समय-सीमा के भीतर पूरी की जाएं।

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में घोषणा की कि 'मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान-2026' के तहत आगामी शुक्रवार, 11 सितंबर को बैरसिया में एक विशाल जन-कल्याण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में ब्लॉक स्तर पर लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और लोक सेवा गारंटी अधिनियम के प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर ऑन-द-स्पॉट निराकरण किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर स्कूलों और आंगनबाड़ियों का निरीक्षण के भी निर्देश दिए।

अवैध कॉलोनियों पर कसेगा शिकंजा

शहर की कॉलोनियों और अवैध निर्माणों से जुड़ी शिकायतों पर सख्त रुख अपनाते हुए कलेक्टर मिश्रा ने सभी एसडीएम को 'कॉलोनी सेल' के माध्यम से प्रकरणों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध कॉलोनियों से संबंधित शिकायतों की तत्काल जांच की जाए और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए।

लापरवाही पर तहसीलदारों और पटवारियों पर गिरेगी गाज

बैठक के दौरान गिरदावरी, फार्मर आईडी, राजस्व मामलों और लोक सेवा गारंटी के समय-सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों पर कलेक्टर ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय-सीमा से बाहर लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण नहीं हुआ, तो संबंधित तहसीलदारों और पटवारियों के विरुद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि सीएम हेल्पलाइन की कोई भी शिकायत बिना गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लंबित न रहे। इस बैठक में एडीएम सुमित पांडे, पी.सी. शाक्य, प्रकाश नायक, महेंद्र कवचे सहित जिले के सभी एसडीएम और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

पितृपक्ष पर श्रद्धालुओं को राहत

रानी कमलापति से गया के बीच चलेगी 3 फेरों वाली स्पेशल ट्रेन

भोपाल (नगर संवाददाता)

भोपाल। पितृपक्ष के पावन अवसर पर बिहार के गया जी जाने वाले श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल द्वारा रानी कमलापति और गया स्टेशन के बीच 3-3 फेरों के लिए एक विशेष ट्रेन (गाड़ी संख्या 01661/01662) चलाने का ऐलान किया गया है।

रानी कमलापति से गया (01661) का शेड्यूल : यह ट्रेन रानी कमलापति स्टेशन से 27 सितंबर (रविवार), 02 अक्टूबर (शुक्रवार) और 07 अक्टूबर (बुधवार) को दोपहर 15:20 बजे प्रस्थान करेगी। नर्मदापुरम इटारसी होते हुए यह ट्रेन अगले दिन दोपहर 14:30 बजे गया पहुँचेगी।

गया से रानी कमलापति (01662) का शेड्यूल : वापसी में यह ट्रेन गया स्टेशन से 30 सितंबर (बुधवार), 05 अक्टूबर (सोमवार) और 10 अक्टूबर (शनिवार) को दोपहर 15:30 बजे रवाना होगी। मध्यवर्ती स्टेशनों पर रुकते हुए अगले दिन इटारसी (14:05 बजे) और नर्मदापुरम (14:43 बजे) के रास्ते शाम 16:15 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी।

कुल 24 डिब्बों के साथ चलेगी ट्रेन : यात्रियों की सुविधा के लिए इस स्पेशल ट्रेन में कुल 24 कोच लगाए गए हैं। इनमें 12 स्लीपर (द्वितीय श्रेणी शयनयान), 04 सामान्य (अनारक्षित), 04 थर्ड एसी, 02 सेकंड एसी और 02 एसएलआर/डी कोच शामिल रहेंगे।

ट्रेन नर्मदापुरम, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी-ऑन-सोन और अनुग्रह नारायण रोड स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रुकेगी। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि पितृपक्ष के दौरान अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यह सेवा शुरू

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नवीन आनंद जोशी द्वारा सुपर प्रिंटिंग प्रेस, 17 चौकी तलैया, भोपाल से मुद्रित एवं ई - 100 / 22, शिवाजी नगर, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। सम्पादक- नवीन आनंद जोशी , मुख्य कार्यकारी संपादक श्रीमती रोमा मल्होत्रा। समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।